राष्ट्रीय द्वैमासिक मैथिली पत्रिका ✦ अगस्त–सितम्बर 2013 वर्ष–2 अंक–7

RNI No.- DELMAI/2012/45339

www.mithilanchaltoday.com

मिथिलांचल टुडे

(किछु कहब–किछु सुनब)

₹ 15/-

हमरा मिथिला राज चाही

★ जोर पकड़ैत मिथिला राज्यक मांग ★ सगर राति दीप जरए संपन्न भेल

★ मिथिलांचल टुडेक दरभंगा कार्यालय खूजल ★ स्पॉट फिक्सींग आ क्रिकेट

स्वर – सुनील कुमार पवन आ रंजना झा
संगीत– सुनील कुमार पवन
गीत – किशन कारीगर व राजीव रंजन मिश्र
विडीयो संपादन – प्रवीण कुमार 'पाण्डेय'

C & P B-2/333, Tara Nagar, Old Palam Road, Kakrola,
Sector - 15, Dwarka, New Delhi - 110078
Phone : + 91 - 11 - 65858937 Mob: 9990065181, 9313248484
website : www.mithilanchaltoday.in

किछु कहब – किछु सुनब

प्रधान संपादक :
डॉ. कैलाश कुमार मिश्र

संपादक :
डॉ. किशन कारीगर
(मूल नाम–कृष्ण कुमार राय)

संपादकीय सलाहकार :
डॉ. शेफालिका वर्मा

संवाददाता :

- जगदानन्द झा (दिल्ली)
- मदन कुमार ठाकुर (नोएडा)
- प्रभाकर झा (दरभंगा)
- विनीत ठाकुर (नेपाल)
- पंकज झा (मुम्बई)
- संजीव कुमार झा (सहरसा)
- रुपेश झा (कोलकाता)
- दिलीप झा (लखनऊ)
- चंदन झा (छत्तीसगढ़)
- गुंजन श्री (पटना)

प्रसार प्रबंधक :

- सतेन्द्र कुमार (नोएडा)
- बबलू मुखिया (दिल्ली)
- मनोज राय 'गुड्डू' (दरभंगा)
- राजकुमार यादव (दिल्ली)
- राजीव कु. ठाकुर (बोकारो)
- प्रवीण कुमार शर्मा (गया)
- मनोज मिश्रा (छत्तीसगढ़)
- करुणा झा (नेपाल)
- के.के. भारती (समस्तीपुर)
- सोनू झा (मधुबनी)

डिजाईनिंग :
संतोष मोहन ठाकुर (मधुबनी)

मिथिलांचल टुडे के अधिन © सर्वाधिकार सुरक्षित :–

मुद्रक,प्रकाशक,स्वामी एवं संपादक कृष्ण कुमार राय द्वारा दिव्या ऑफसेट प्रिंटर्स बी–1422 न्यू अशोक नगरनई दिल्ली–96 सँ मुद्रित तथा 530 बाबा हरिदास नगर टिकरी कलां, नई दिल्ली.41 सँ प्रकाशित। एहि अंक में प्रकाशित आलेख सँ संपादकीय सहमति आवश्यक नहि। मिथिलांचल टुडे एहि लेल जिम्मेवार नहि होएत। कोनो प्रकारक विबादक फरिछौट दिल्ली न्यायालय के अधिन।

संपादकीय कार्यालय

B-2/333, Tara Nagar, Old Palam Road Kakrola, Sector-15, Dwarka, New Delhi-110078(INDIA).

Phones : 011-65858937, 32670787
Fax : 011-25335034
Email- mithilanchaltoday@gmail.com
Website- www.mithilanchaltoday.com

विषय सूचि :

संपादकीय..... 2

जोर पकड़ैत मिथिला राज्यक मांग

5

मिथिलांचल टुडेक' दरभंगा कार्यालय खूजल

16

सगर राति दीप जरए संपन्न भेल

17

स्पॉट फिक्सींग आ क्रिकेट

31

संपादकीय

एकटा गप सदिखन धियान राखब।

मिथिलाक माटि पानि सँ स्नेह राखब।।

सामाजिक–आर्थिक उन्नति होएत कोना।

एहि लेल सार्थक काज टा करब।।

कविवर – किशन कारीगर

अप्पन भाषा संस्कृति लेल सोचू

कोनहुँ स्थान आ लोकक परिचय ओतुका भाषा संस्कृति सँ होइत छैक। आन ठामहक लोक अहाँक स्थान, रहन सहन आ संस्कृति सऽ परिचित होइत छथि। मुदा ठीके कहलहुँ, अहाँ जे एकदम टाइम नहि अछि बड्ड बेसी व्यस्त छी। तहु मे तऽ आई काल्हि ई एकटा बड्ड नीक बहन्ना भऽ गेल जे हम व्यस्त छी। तऽ आब एहन समय काल मे अहिं कहू जे अप्पन भाषा संस्कृति लेल किछु नियार करब आ किछु सोचब की नहि?

अहाँ अपना आप सऽ प्रशन कए के देखू जे अहाँ कतबो व्यस्त छी तइओ थोड़ेक समय जरूर निकालि सकैत छियैक, अप्पन भाषा–संस्कृतिक संवर्धन लेल आ कि नहि?कतबो बहन्ना बतियाएब तऽ अंतरआत्मा इएह कहत जे हँ, मुदा कि सोझहे हँ कहला सऽ एक्को डेग आगू बढ़ि सकब? बेबहारिक रूप सऽ सोचब तखने भाषा–संस्कृति आगू बढ़त आ एहि संगे अहूँ आगू बढ़ब। आन भाषा–भाषी जेना कि बंगला, गुजराती, मराठी सहित आओर कतेक भाषा अप्पन परचम लहरा रहल छथि, मुदा अप्पन मैथिली कतए ठाढ़ अछि ओतए जतए किछु दिन पहिने छलहुँ। किछु आगू बढ़लहुँ तऽ कतेक तरहक अपने मे अवरोध आ फेर ओहने स्थिति। तऽ किएक नहि सभ मिली अप्पन भाषा–संस्कृति लेल सोची आ सफलताक नव प्रयास करी।

भाषा–संस्कृतिक सरंक्षण ओतवेक जरूरी अछि जतवेक एकटा जनमौटी बच्चा लेल माएक दूध। मनुक्ख बाजब सीखैत अछि अप्पन माए, आ मातृभाषा मे किछु सोचब शुरू करैत अछि। तहि दुआरे एक बेर सोचू जे अबइवला पीढ़ि लेल ई बड्ड महत्वपूर्ण अछि जे ओ अप्पन मातृभाषा मैथिलीक' महत्व बुझथि। देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सेहो लोक सभ सँ फुरसथि भेटला पर भोजपूरी मे सेहो बतियाएत छलाह । एहि बात सँ हमरा सभ के सीख लेबाक चाही जे मातृभाषा सर्वोपरी अछि। हम एतबाक आग्रह करब जे अप्पन मैथिली भाषा संस्कृति लेल सोचू।

किशन कारीगर

चिठ्ठी -पत्री

''मिथिलांचल टूडे'' के परिचय आब कोनो नव रूपमे देबाक आवश्यकता नहि अछि। संभवतः अधिकांश भाषा प्रेमी कम्मे समयान्तरालमे एहि पत्रिकाके नामसँ अवगत भऽ चुकल छथि, कारण जे एकर प्रचार–प्रसार रेडिओ/एफ एम/टेलीविजनकेँ विज्ञापन माध्यमसँ लऽ कऽ हिमालयसँ कन्याकुमारी तक (भारतसँ नेपाल धरि) के पुस्तक स्टाल सभपर सस्ता आ सुलभतासँ प्राप्त भ रहल अछि। प्रत्येक नव अंक अप्पन रोचकता आ नव जानकारी देखबामे आबि रहल अछि। पत्रिका प्रकाशनमे समर्पित समूह केर मेहनैत शनैः–शनैः अपन रंग निखारि रहल अछि। देश विदेशक सभ खबैरपर अपन नजैर रखैत ओकरा एक ठाम समेटि कुशलतापूर्वक सम्पादन केनिहार समस्त टीमक सदस्य लोकनिकेँ शुभकामना आ साधुवाद।

मनीष झा ''बौआभाइ''
मंडावली, दिल्ली

नेपाल मे मिथिलांचल टुडेक अंक पाबि करेजा गर्वसँ फुलि गेल, देख कए आनन्दित भएलहुँ आ पत्रिका के डिजाईन, आलेख बड्ड नीक लागल । सभके लेल किछु नहि किछु कॉलम भेटल। एकटा आग्रह इ जे किछु अशुद्धि देखवामे आएल ओ शुद्ध भए जाइ त' सोनामे सुहागा भए जाएत । युवा विशेषांक जनवरी 2013 बड्ड नीक लागल। एहि लेल मिथिलांचल टुडे परिवार के सादर शुभकामना।

विनीत ठाकुर, नेपाल

आदरनीय सम्पादक महोदय, मिथिलांचल टुडेक जनवरी 2013 अंक पढ़लहूँ, बड्ड नीक लागल। समस्त समर्पित टीमकेँ साधुबाद जे अर्थोपार्जनमे व्यस्त रहितहुँ अपन संस्कृतिकेँ रक्षार्थ एहिमे लागल छथि । शुभकामना सहित

प्रभात राय भट्ट, मधेश, नेपाल

परमआदरनीय सम्पादक महोदय, ए.के. बुक स्टाल, रेलबे स्टेशन मधुबनी पर, मिथिलाक पत्रिका मिथिलांचल टुडे भेटल । पाबि खुशी भेटल । सभ किछु एकसँ एक रोचक लागल। मधुबनी, दरभंगा, पटना में मिथिलांचल टुडे भेट रहल अछि एहि लेल सादर शुभकामना।

बजरंग कुमार, ग्राम– मनमोहन बासोपट्टी

सभासँ पहिने मिथिलांचल टुडेक समस्त परिवारकेँ ढेरो शुभकामना। आशा अछि मिथिलांचलक सभ गुण कला संस्कृतीक बखान करैत सम्पूर्ण मिथिलाबासीकेँ एकटा प्रेरणा भेटत । एकटा आग्रहजे मासिक करैक प्रयास करी। आ कनी रोजगारमुखी समाचार सेहो आनी।

जटाशंकर चौधरी, जैन कलोनो, दिल्ली

जयनगर रेलवे स्टेशन पर मिथिलांचल टुडे बुक स्टॉल पर भेटल, सुदर आकर्षक डिजाइन देखि मोन हर्षित भेल। नीक रचना संग, ज्ञानवर्धक आलेख लागल। पत्रिका डिजाइन मोन मोहि लेलक

सदरे आलम गौहर, जयनगर

Santosh Mohan Thakur
(Graphic Designer)
E-mail : santoshmohan1980@gmail.com
Mob. : 9818308993
: 9210304619

GP India
Geeta Print India
A HOUSE OF COMPLETE PRINTING SOLUTION
Deals in :-
I-Card, Pamplate, Visiting Card, Bill Book,
Latter Hade, Poster, Sticker, Tags,
Labels, Catalogue, Brochures & Magzine

रचनाकार लोकनि सँ निवेदन जे समाजिक –आर्थिक, राजनीतिक सम-समायकि, कला, संस्कृति सँ संबंधित मौलिक एवं अप्रकाशित आलेख, प्रतिक्रिया, मिथिलांचल टुडे के पठाबैथ। चयनित आलेख पर मिथिलांचल टुडे द्वारा समुचित राशी पठाऔल जाएत। अहाँ अप्पन आलेख एहि पता पर पठा सकैत छी।

संपादकीय कार्यालय :– B-2/333 Tara Nagar, Sector-15, Dwarka, Old Palam Road, New Delhi-78
Phone- 011-32670787, 65858937, Fax- 011-25335034
Email- editor@mithilanchaltoday.in Website- www.mithilanchaltoday.in

जोर पकड़ैत, मिथिला राज्यक लड़ाई

मिथिला राज्यक लड़ाई दहो–दिस सभ अपना–अपना तरीकासँ लड़ि रहल छथि । नित नव–नव आंदोलन आ जागरण कार्यक्रम होइत रहैत अछि । आब ई अलग प्रश्न छैक जे ताहिमे जनभागीदारी कतेक रहैत अछि । मुदा, आंदोलनीक सक्रियता आ हुनक केन्द्रिय उद्देश्यक प्रति समर्पणकेँ, धरातलपर प्रतिफल शून्यता सहजहिँ देखार करैत भेटैछ । तखन आंदोलन चलैत रहय, दीप जड़ैत रहय ताहि लेल सभक प्रति आम मिथिला बासी नैतिक समर्थन रखनहि रहैत छथि । मैथिली –मिथिला आंदोलनक जँ सभसँ पैघ संबल किछु छैक तऽ ओ थिकैक एकर भाषा –मैथिली । जाधरि, जतबाधरि आ जहाँधरि मैथिली जिवित रहत ताधरि, ततबाधरि आ तहाँधरि मैथिलत्व सेहो जिवित रहत । भलेँहि रूग्णावस्थेमे किएक नहि हो मुदा एकर अस्तित्वकेँ नकारल नहि जा सकैत अछि । इएह कारण रहल हेतैक जे आधुनिक मिथिलामे मिथिला–मैथिल–मैथिली हेतु जे केयो आंदोलनी आगू अएलाह से मैथिलीकेँ आधार मानि अपन आंदोलनकेँ आगाँ बढ़ौलनि आ आइ धरि एहि दिस जे कोनो सफलता भेटल अछि तकरो जड़ि मैथिलीए अछि। तखन ई बात जतेक मैथिल बुझैत छथि ताहिसँ बेसी अमैथिलकेँ खटकैत छनि ।

बंगाली, हिन्दी आ आब भोजपुरी तीनू बेरा–बेरी अपना–अपनी पूरा जोर लगौलक वा लगा रहल अछि जे ओ मैथिलीकेँ कमजोर करय। ओ सभ जनैत अछि जे जखन मैथिली कमजोर हेतैक मैथिलत्व अपने–आप समाप्त भऽ जेतैक । संगहि ओकरा सभकेँ एकटा समृद्ध इतिहास भेटि जेतैक जकरा ओ सभ अपनामे फाँटि लेत । मुदा, हम सभ या तऽ किंकर्तव्यविमूढ़ भेल ठाढ़ छी या फेर मंच सापेक्ष भेल व्यक्तिगत स्वार्थसिद्धिमे लागल छी ।

आइ पचासो बरखसँ मिथिलावासी जहिना मिथिला राज्य लेल लड़ाई लड़ैत आयल अछि तहिना मातृभाषाक माध्यमे शिक्षण व्यवस्थाक लेल सेहो । मुदा, आब जखन सरकार एहि दिस एकटा छोट डेग उठबय जा रहल अछि तऽ ओकर पाछाँ बड़का षडयंत्र सेहो छैक । वर्तमान बिहार सरकार एहिठाम ठीक ओहने नीति अपना रहल अछि जेहन कहियो अंग्रेज भारतपर शासन करबा लेल

अपनौने छल । मैथिलीकेँ तीन फाँकमे बँटबाक इंतजाम लागि रहल अछि । प्राथमिक स्तरपर मातृभाषाक माध्यमे शिक्षा देल जायत मुदा ताहि लेल मैथिलीक संगहि अंगिका आ बज्जिकामे सेहो पोथी छपाओल जा रहल अछि आ से जँ लागू भऽ गेल तऽ ई एक तरहेँ सरकारी स्तरपर अंगिका आ बज्जिकाकेँ मैथिलीसँ स्वतंत्र एकटा भाषाक रूपमे परोक्ष सरकारी मान्यता हेतैक । एहनामे शिघ्रहि जँ मधेपुरा, भागलपुर, पटना आ मुझफ्फरपुर विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक पढ़ौनी बन्न भऽ जाइ आ तकरा स्थानपर अंगिका–बज्जिकाकेँ स्थान भेट जाइ तऽ कोनो आश्चर्यक बात नहि ।

मिथिला–मैथिलीक लेल काज कएनिहार (भलेँ कागजिए किएक नहि हो) संस्था सभक कमी नहि । गौलैसी कएनिहार नेता सभक सेहो कोनो एत्ता नहि अछि मुदा बुत्ता ककरो नहि । कोनो एहन संस्था नहि भेटैछ जे छाती ठोकि अपनाकेँ सबल हेबाक दाबा करैत हो । सभकेँ दरिद्रा पैसले रहैत छैक । सभकेँ कननी धेनहि रहैत छैक । उपरसँ एहि संस्थाक तथाकथित मठाधीश आ स्वघोषित नेतासभक शोणितमे मंच–सापेक्षता तेना ने पैसि गेल छैक जे घरे–घर पाग–दोपटा पहिरने आ पहिरौने फिरैत अछि । मिथिला–मैथिलीक मान–मर्दनक विरोधमे दरभंगासँ दिल्ली धरि, कलकत्तासँ कोशी धरि आ जामतारासँ जनकपुर धरि सिंह–गर्जना करैत ई स्वघोषित नेता सभ सायास वा अनायास आइ धरि ओही विरोधी तत्वसभकेँ सम्मानित करैत रहल अछि जे एकटा कुशल राजनेताक रूपमे हमरासँभकेँ नोर पोछबाक प्रत्यक्ष अभिनयक संगहि घैंट मोकबाक परोक्ष अभियान चलबैत रहल अछि । एहनामे जँ आम मैथिली एहि सिंह गर्जनाकेँ गीदर–भभकी वा कही तऽ बभन भौकी (शाइत ई बेसी सटीक होयत) बुझैत रहल अछि तऽ एहिमे ओहि बकरी सन मिथिला, छागर सन मैथिल आ पठरू सन मैथिलीकेँ कोन दोख छैक । कनिए दिनमे ओकरा ईहो बोध भऽ जाइत छैक जे ओ जकरा सिंह बुझने छल ओ तऽ रंगलाहा नढ़िया छलैक ।

हमरा लगैत अछि जे वर्तमान समय आधुनिक मिथिलाक इतिहासमे सभसँ कठिन समय अछि । कोनो समयमे हिन्दी आ बंगालीसँ मिथिलाकेँ लड़य परलैक मुदा ओ नितांत बौद्धिक लड़ाई छलैक आ ई निर्विवाद जे बौद्धिक लड़ाईमे मैथिल ककरो ने जीतय देलकै आ ने जीतय देतइ मुदा एखनुका लड़ाई मात्र बौद्धिके नहि अपितु ताहूसँ बेसी सामाजिक–राजनैतिक छैक । एतबा दिन हमसभ अधिकार लेल लड़ैत रहलहुँ मुदा आब अस्तित्व लेल लड़य पड़त । एहनामे मैथिलक मैथिलत्वक प्रति वित अर्थबोध, नेता सभक व्यक्तिगत स्वार्थ, संस्था सभक विपन्नता आ आपसी वैमनस्यता एवं सभसँ पैघ जे एकटा एहन नेता जे आगाँक लड़ाई लेल किछु नेता बना सकय तकर नितांत अभाव, एकटा आम मैथिलकेँ निराशाक बाटपर धकलैत अछि । ई निराशा संस्था सभकेँ आओर कमजोर करत ।

मिथिलाक भूगोलकेँ छोट करत । मिथिलाक इतिहासकेँ नाश करत आ क्रमशः मिथिलाक भाषा–संस्कार सेहो अलोपति भऽ जाएत । तेँ ई जगबाक बेर अछि । किछु करबाक बेर अछि । आब मात्र प्रयास नहि हेबाक चाही बल्कि पूर्व निर्धारित निश्चित प्रतिफलक प्राप्ति हेतु युद्ध–स्तरपर काज हेबाक चाही । चाहे ओ मिथिला राज्यक लेल हो किंवा अंगिका–बज्जिका समावेशित मैथिली भाषा आ मैथिल समाजक निर्माण लेल । आब क्षणिको विलंब हमरा सभकेँ बहुत पाछाँ धकेल देत । ततेक पाछाँ जे हमसभ अपन संस्कृति–संस्कारसँ दूर भऽ जाएब । संस्था सभकेँ काज करबाक परिपाटी बदलय पड़तैक । व्यक्तिगत स्वार्थ आ अहंभावसँ उपर आबि समाजक लेल समर्पित हेबाक बेर अछि ई । लड़ाई राजनैतिक छैक तेँ आब एहि संस्थासभकेँ सेहो राजनैतिक तरीका अपनेबाक चाही । आब मात्र पाबनि–तिहार, कि नाच–गानमे समस्त उर्जाक अपव्यय नहि कऽ दीर्घकालीन योजना बना ओहि पर त्वरित कार्यवाही करबाक बेगरता अछि । अंगिका–बज्जिकामे पोथी प्रकाशन आ पढ़ौनीक बेवस्थाकेँ तत्काल आ निर्णायक विरोध हेबाक चाही । जँ कोनो संस्था एहि बातक विरोध नहि करैत अछि तऽ एकर मतलब भेल जे ओ मिथिला माने मात्र दरभंगा–मधुबनी धरि बुझैत अछि संगहि ओकरा मिथिलाकेँ बाँटय बला संस्था बूझल जाइ ।

चन्दन झा
(छत्तीसगढ़)

101 वर्षक बिहार

बिहारक जन्म दिवसक जश्न सभ बिहारीपर देखा रहल अछि। पटनाक सडक सोनू निगम आ राजन मिश्र सन अनेक कलाकारक पोस्टरसँ पटल अछि। होलीक रंग सेहो कतहु नहि कतहु एहि उत्सिवमे झपा गेल अछि। लोग उत्साहित छथि आ जोशमे सेहो, मुदा देखल जाए तँ एखनो बिहारी बंगालसँ अलग हेबाक ओहि कारणसँ परिचित नहि भ सकल अछि जाहिसँ ई उत्ससव अपन मूल उद्देश्यअसँ दूर देखा रहल अछि। एहनमे ई उत्स व महज एकटा सरकारी आयोजन जेकां लगैत अछि जाहिमे

आत्मीहयताक घोर अभाव अछि। बिहार दिवसक अबसरपर हेरायल बिहारियत कए तकबाक उद्देश्यआसँ लिखल गेल एहि आलेखमे पत्रकार सुनील कुमार झा आ नीलू कुमारी किछु बिहार आ किछु बिहारियत कए तकबाक प्रयास केने छथि – समदिया

बिहार शब्दए सए बरख पुरान जरूर अछि मुदा 1765 मे जखन ईस्ट इंडिया कम्पनीकेँ एकर दीवानी भेटल छल तखनसँ एहि इलाकाक प्रशासनिक पहचान खत्मि हुए लागल छल। एकर बाद बिहारक ई इलाका मात्र एकटा भौगोलिक इकाई बनि कए रहि गेल, अगिला सए सवा सए सालमे बिहारी एकटा सांस्तिक पहचानक रूपमे तँ रहल मुदा एकर बिहारक प्रांतीय या प्रशासनिक पहचान मिटा गेल।

बिहारक इतिहास संभवतः सच्चिदानन्द सिन्हासँ शुरू होइत अछि। किएक कि राजनीतिक स्तरपर सभसँ पहिने श्री सिन्हाप बिहारक गप उठेलथि। कहल जाइत अछि जे सिन्हा जखन वकालत पास कए इंग्लैंडसँ लौटलथि तँ हुनकासँ एकटा पंजाबी वकील पूछने छल जे मिस्टर सिन्हा अहाँ कोन प्रान्तक रहनिहार छी। डा. सिन्हा जखन बिहारक नाम लेलथि तँ ओ पंजाबी वकील आश्चर्यमे पडि गेल। किएक तँ बिहार नामक कोनो प्रांत देशमे नहि छल। ओ कहलक जे बिहार नामक तँ कोनो प्रांत अछि नहि फेर अहाँ बिहारी कोना छी। डा. सिन्हा कहला जे नहि अछि मुदा जल्द बनत। ई घटना फरवरी, 1893 क छी। ओकर बाद बहुत रास घटना घटल जे बिहारी अस्मिताकेँ झंकझोर कए राखि देलक। ओ एकटा एहन समय छल जखन बिहारी युवा (पुलिस) क शरीर पर 'बंगाल पुलिस'क बिल्ला लटका देल जाइत छल। ओहि कालखंडमे बिहारक आवाज बुलंद करबा लेल चंद लोक सामने छलाह, जाहिमे महेश नारायण, अनुग्रह नारायण सिंह, नंदकिशोर लाल, राय बहादुर आ ष्ण सहायक नाम प्रमुख अछि। बिहारसँ तखन कोनो अखबार नहि छल, कोनो प्रत्रिका सेहो बिहारसँ नहि निकलैत छल। बादमे बिहारसँ प्रकशित भेल एक मात्र अखबार 'द बिहार हेराल्ड' जे बिहारीक हित लेल गप करैत छल। तमाम बंगाली अखबार बिहार पृथक्करणक विरोध करैत छल, किछु बिहारी पत्रकार बिहार हितक गप तँ करैत छलाह मुदा अलग बिहारक मुद्दा पर एकदम अलग राय रखैत छलाह।

बिहार कए अलग करबा लेल जनमत तैयार करबाक उद्देश्यगसँ 1894 मे डॉ. सिन्हा 'द बिहार टाइम्स' अंग्रेज़ी साप्ताहिकक प्रकाशन शुरू केलथि। बादमे 'बिहार क्रानिकल्स' सेहो बिहार अलग प्रांतक आन्दोलनक समर्थन करबा लेल आगू आयल । 1907 मे महेश नारायणक मृत्युक बाद डॉ. सिन्हा असगर भऽ गेलाह । एकर बावजूद ओ अपन मुहिम कए जारी रखलथि आ 1911 मे अपन मित्र सर अली इमाम कए केन्द्रीय विधान परिषदमे बिहारक मामला रखबा लेल उत्साहित केलथि। 12 दिसम्बर, 1911 कए ब्रिटिश सरकार बिहार आ उड़ीसा लेल एकटा लेफ्टिनेंट गवर्नर इन कौंसिलक घोषणा कए देलक। धीरे धीरे मुहीम रंग अनलक आ 22 मार्च, 1912 कए बिहार बंगालसँ अलग भऽ स्वतंत्र राज्य भऽ गेल।

1911 मे बिहारक बंगालसँ अलग भेला आइ 101 साल भऽ गेल। मुदा एखनो बिहारियत अपन बाल अवस्था मे अछि। इतिहासक एहि दस्ताावेज कए आम लोक एखनो पढबा या बुझबामे समर्थ नहि छथि। आखिर की कारण छल जे बिहार कए बंगालसँ अलग करबाक निर्णय ब्रिटिश सरकार लेने छल ३ एहि प्रश्नक एकटा उत्तर ई देल जाइत अछि जे ब्रिटिश सरकार बंगालक टुकडा करि कए उभरैत राष्ट्रवाद कए कमजोर करबाक प्रयास केलक। पहिने ओ बंग–विभाजन करबाक कोशिश केलक मुदा बादमे बंगालसँ बिहार आ उडीसाकेँ अलग करबामे सफल भऽ गेल। ओना बंग विभाजन सन कोनो विरोध बिहार विभाजनक समय नहि भेल, ई लगभग स्वाभाविक छल किएक तँ बिहारकेँ पृथक राज्य बनेबाक आन्दोलनक पाछु सच्चिदानंद सिन्हा आ महेश नारायण समेत अन्य आधुनिक बुद्धिजीविक नेतृत्व छल।

सुनील कुमार झा, नीलू कुमारी
(दिल्ली)

सबरंगी बात

राम बियाहने कुन फल भेल सीता जन्म अकारथ गले। सीता दाई के कहिओ सुख नहि भेलनि। ओना त राम भगवान छथि मुदा सीता दाई संग कोना पाथर भ गेला? जखन जखन हम सीता के संबध मे माय सॅ चरचा करी अतेक बात माय पोसुआ आ रटल सुग्गम जंका हमरा सुना

दैत छथि। माय के उतर सहज आ स्वाभाविक होइएत छन्हि। निश्छल आ वेदनाक अनुभूति लेने जेना माय स्वयं सीता होथि।

लोकविद्या क्षेत्र मे कार्य करैत इ अनुभूति भेल जे ज–ज हमरा लोकनि शिक्षित भेल जा रहल छी त्यों– त्यों अमानवीय गुण के अपना आपमे बढ़ेने जा रहल छी। भारत के अनेक जनजातीय क्षेत्र मे जाउ त पता लागत जे पुरूश स्त्रिगण के सम्मान आ अधिकार कोना दैत छथि। झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल सहित किछु अन्य प्रदेश मे अनेक जनजातीय समुदाय मे एक प्रथा प्रचलित छैक। एहि प्रथाक अनुसारे जखन एक गर्भवति स्त्रिगण के प्रसव वेदना प्रारंभ होइएत छन्हि ओहि छण हुनका घरबला के सेहो बजाए लेल जाएत छैक। पति आ पत्नी दुनु के एकहि घर में राखल जैत छैक। प्रसव वेदना में स्त्री छरपटाइत रहैत छथि। अनुभवी स्त्रिगन सभ हुनका सम्हारैत रहैत छथि। जेना–जेना प्रसव वेदना स गर्भवती स्त्री छरपटाइत रहैत छथि। तेना–तेना हुनकर पति सेहो छरपटाइत रहैत छथि। एहि में कुनो नाटकीयता नहि। अगर देखब त लागत जेना पति सहिपहु प्रसव वेदना स छरपटा रहल होथि। सब किछु सते। ने छल ने प्रपंच ने अभिनय ने ढ़ोग। पति तावेर धरि छरपट करैत रहैत छथि जावेत धरि बच्चा के जन्म नहि भ जैक मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण स अगर एहि प्रथाक विवेचन रिब त एकर अदभुत प्रासंगिकता बुझब। पति के प्रसव कक्ष में अनवाक अभिप्राय हुनका एहि बातक ज्ञान देनाई भेल जे मातृत्व केहेन कठिन वेदनाक नाम थीक। एहि स पुरुष के स्त्री के प्रति सम्मान बढैत छन्हि। स्त्री पुरुष में सहयोगक भावना बढैत छन्हि। दुनु एक दोसरक पूरक छथि ई बात प्रवल होईत छैक। पुरुष स्त्री के सभ तरहे मदति करैत छथि।

एतबहि नहि, अधिकांश जनजातीय समुदाय में वर पक्षक लोक के कन्या के परिवारक लोक सभ के कन्या–धन देमय पडैत छन्हि। बिना कन्या–धन देने विवाह सम्पन्न भेनाई असंभव हाँ अगर कियोक कन्या–धन देबामे असमर्थ अछि त ओहि वर के विवाह स पूर्व किछु दिन धरि कन्याके परिवार में श्रमदान करय पडैत छन्हि। फेर ओ कन्या–धन देबा स मुक्त

भ जैत छथि।

मुदा अप्पन मिथिलाक त हाले अलग अछि। बिना दहेजक विवाहक कल्पना नहि क सकैत छी। सबतरि हाहाकार मचल अछि। गाम घर में लोक सभके कहैत सुनैत छी ''बर भेल बुरबक दहेज के लेत'' अर्थ ई भेल जे बर के बच्चे स लोभी, संस्कारहीन, महिला के प्रति हीन भाव, ससुर एवं सासुर स टन्बाक प्रर्विति बला बना देल जैएत अछि।

हमर कतेको मित्र जे आन प्रदेशक दैथि से हमेशा हमरालोकनि के उपहाशक पात्र बुझैत छथि। हुनका लोकनि के आश्चर्य लागैत छन्हि जे बिहार में कोन क दुल्हक खरीद फरोक्त होयत अछि। लेकिन हमरा लोकनि निर्लज्ज बनल छी। मिथिला स ल क दिल्ली धरि नारीक अपमान भ रहल अछि आ हमराकोकनि चुप बैसल छी। मिथिला राज्यक आन्दोलन में सेहो महिला वर्गाक सहभागिता ओतेक नहि अछि जतेक हेबाक चाहि। अनुपातक त चर्चे नहि करु। हमरा लोकनि प्राकृतिक सम्पदा, कृषि, आदिक चार्चा करैत छी मुदा मानव संसाधन केर चर्चे बिसरी जैएत छी। अधिकतर आन्दोलन अ प्रयास एकरंगी चुनरी भ जैएत अछि। मैथिलिक सहारे अधिकारी बनल लोक मैथिलि के बिसरि जैएत छथि। ओहिना जेना कुनो बरद स हर जोतलाक बाद जखन बरद बुढ़ अथवा घायल भ जाइएत अछि त ओकर मालिक ओकरा कौरिक दाम में कतहु बेचि देत छैक।

हमरालोकनि विद्यापतिक नामक माला जपित छी। मुदा बिसरी जैएत छी जे विद्यापतिक के अप्पन मातृभाषा के प्रति कतेक लगाव छलन्हि। ''देसिल बयना सभ जन मिटठा'' के नारा देम बला विद्यापति सभक मात्रिवानी केर सम्मान करैत छलाह ओ ''देसिल बयना सभ जन मिट्ठा'' कहलनि कहिओ मैथिलि बयना सभ जन मिट्ठा नहि बजलाह। चाहितथि त द सकैत छलाह। मुदा नहि देलन्हि, शायद अहि द्वारे कि ओ एक कालजयी रचनाकार छलाह। हुनकर भावना आ विचार देस, काल, परंपरा, एवं वाद स उपर छलन्हि।

यदि तोर डाक शुने केउ न आसे तबे एकला चलो रे। केर नारा दे समस्त संसार में प्रसिद्ध भ गेलाह गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर। बंगलाभाषी लोकनि हुनकर पूजा करे लागल। बंगाल में शिक्षित, संस्कारी आ प्रगतिशील होबाक अर्थ अछि रबिन्द्रक कृतिक अध्ययन, हुनकर कलाक अवलोकन, शान्तिनिकेतन केर यात्रा, रविन्द्रगानक रसपान आ रबिन्द्रनाथक फोटो एवं पेंटिंग स अप्पन घर के सजेब। इ बात चाहे बन्गलाभाषक कुनो संप्रदाय, जाति, वर्ग, राजनैतिक विचारधाराक कियक नहि हो सबतरि भेटत।

हालहि में एकटा डाक्यूमेंट्री फिल्म बनेबाक मादे कोलकाता में रबिद्रनाथक जन्म स्थान जुल्काबरी, कोलकाता कॉलेज ऑफ आर्टस तथा शान्तिनिकेतन गेल रही। लोकक रवि बाबुक प्रति सिनेह आ आदर देखि मोन गदगद भ गेल। कनी डाह सेहो भेल। डाह कोण बातक, एहि बातक जे हमरा लोकनि विद्यापति के एहि तरहक सम्मान कियायक नहि छियैन्हि।

हमरा लोकनि जखन शहर में रहैत छी त अपना बच्चा सभ स हिन्दी अथवा अंग्रेजी में वार्तालाप कए अपना आपके तथाकथित इलीट बुझबा में गर्व करैत छी। मैथिली नहि बजनाई बोनाफायेड इलीट होमाक परिभाषा भ गेल अछि। अपन अशिक्षा आ अज्ञानता पर अहंकार करैत छी। बिसरि जाइएत छी जे मैथिली नहि बजनाई हमरा लोकनि के बच्चा के निरक्षर बना रहल अछि। असभ्य बना रहल छी। बच्चा संगे मैथिली नहि बाजि हमराकोकनि ओकरा सभके संस्कृत आ संस्कार स अलग क रहल छियैक। एकर दुष्परिणाम ई भ रहल अछि जे हरालोकनि सभ क्षेत्र में अलग–अलग भ रहल छी।

अगर हमरालोकनि समस्तता में सोची, मिथिला संस्कृत आ मैथिलिक विकासक बात करी त एक नव मिथिला आ एक नव मिथिला सांस्कृतिक ठोस आधार बनत। और आधार मिथिला राज्य बनेबा में सक्षम भूमिका का निर्वाह करत।

डॉ. कैलाश कुमार मिश्र
(दिल्ली)

RNI No.DEL MAU 2012 45339
WWW.mithilanchaltoday.in

A NATIONAL WEEKLY NEWSPAPER
AUTHENTICIDEA
EDITORIAL OFFICE :
B-2/333, Tara Nagar, Old Palam Road,
Kakrola Sec.-15, Dwarka, New Delhi- 110078
Phone : 011-65868937,32670787
Fax : 011-25335034
Email- ainews9@gmail.com
Website- authenticideanews.com
SUB - OFFICE :
11/356-Lalita Park,Laxminagar
(East Delhi) Delhi-110092
Phones : 011-22425412,9868579922
विज्ञापन/संपर्क
Mittal News Agency : 8802530929
Satyendra kumar : 9313248484
Saurav Singh : 9868579922
Rahul (Jeevan Dhara): 9899897745
Babloo Mukhiya : 9958067341
Rajiv Thakur : 7856033533
Nitish Kumar : 8285207880
Umesh Ray : 9311139761

एहनो कतउ भेलैए?

भोरे भोर जतेक समाचार सुनबामे आबए सभटा अचम्भिते करै बला । टेलीविजन चालू करिते देखै छी जे सगरो दिल्ली आ देशक आन आन भागमे यत्र–तत्र बाट जामक खबरि, यातायातकेँ सुविधा बाधित । कारण की ? कारण ई जे, पेट्रोलक मूल्यमे असामान्य वृद्धिकेँ विरुद्ध जनमोर्चा, आ ताहि जनमोर्चामे अपसियांत लोक । सभ वर्गक मिश्रित आम आदमी जिनक प्रतिनिधित्व करैत किछु नवोदित, किछु परिपक्व आ किछु वरिष्ठ राजनीतिक व्यक्ति लोकनि । ओना हिनका लोकनिक हस्तक्षेप भेनाइ सेहो परमावाश्यके , कारण जे हमरा लोकनिक बीच एहेन जनधारणा अछि जे विपक्षी लोकनि अगुएता तखने सत्ताधारीक आँखि खुजतन्हि, भने ओ स्वयं सत्तामे एलाक बाद जे करथि, आ जँ से नहि होईतै तँ आइ ई दिन कियैक देखऽ परैइयै । महंगाइकेँ विरोध तँ आदि काल सँ होइत आएल अछि, अंतर एतबे छै जे पहिले सामान्य वृद्धि होइत छल आ आब असामान्य वृद्धि (अनिश्चित अनुपातमे) होइत अछि, आओर इएह अनिश्चितता हमरा लोकनिकेँ बाटपर ठाढ़ करबा लेल बाध्य कऽ दैत अछि । आब एकर नतीज़ा संध्या कालक समाचारमे देखल जे पूर्ण हास्यास्पदे अर्थात असामान्य वृद्धिकेँ विरोधमे हो–हल्ला भेलाक बाद सामान्य कमी, किएक तँ सरकारकेँ ई आभास तँ रहिते छैक जे हो–हल्ला हेबे करतै तँ चलू कनेक उसास कए देल जेतै आ ठीक तहिना दोसर दिनसँ सभ किछु पूर्ववते अर्थात सरकार महगाई बढ़बैमे एक बेर फेर सफल ।

हड़ताल रहितहु लोक अपन अपन गंतव्य तक जेना तेना पहुँच रहल छलाह, तकर एकटा भुक्तभोगी हमहूँ रही । बसमे बैसल बैसल मोन अकच्छ भ' गेल रहय कानमे ठप्पी लगाय एफ.एम सुनय लगलहुँ, आहि रे बा ! ई की ?शाहरुख खानकेँ दम्मा कहिया भ' गेलन्हि, कहियो नै समाचारमे आयल छल, ने अखबारमे छपल छल । ई चैनल आ पेपर बला सभ तँ बड़ दाबा करै छथिन्ह जे हम सभसँ बेसी तेज, सभसँ पहिने, सभसँ आगाँ, मुदा एहिमे तँ सभ गोटे पछुआ गेलाह । ई मीडियाकर्मी लोकनि तँ एहेन–एहेन चर्चित लोकक छींकोकेँ ब्रेकिंग न्यूज़ बना दै छथिन्ह आ एतेक बड़का बीमारीकेँ जानतब सँ वंचित कोना रहि गेलाह ?मुदा औ बाबू ! वंचित ई सभ नै रहि गेलाह, वंचित तँ हम स्वयं रहि गेलहुँ एहि एफ. एम. बला नकलची लोकक भाषासँ ।

संयोगवश ओहि दिन तमाकुल निषेध दिवस छल आ एहि अवसरपर शाहरुख़ खानकेँ शुभचिंतक लोकनि हुनका धुम्रपानसँ सम्बंधित विषय वस्तुपर अपन अपन नसीहत दए रहल छलथिन्ह आ ताहि क्रम कियो हुनके आवाज़मे नक़ल करैत एकटा संवादकेँ दम्मा बला अंदाजमे सुना रहल छलाह । एहि तरहे हड़ताल आ तमाकुलक सिट्टीसँ कन्छिआइत–कन्छिआइत अपन गंतव्य धरि पहुँचलहूँ । भरि दिन काज धंधा कए कऽ संध्या काल जखन अपन मरैयामे एलहुँ आ फेर समाचार देखए लगलहुँ जे, कतौ हमरो युवावस्थाक फोटो आबि जए, मुदा से व्यर्थ सोचल कारण फोटो तँ नहिये ऐल आ उलटे युवावस्था पर पूर्ण विराम लागि चुकल छल ।

युवा मित्र लोकनिक लेल इ' अविस्मरणीय दिवस छल, किएक तँ सरकार आइ खुलि कए घोषणा क' देलक जे – जे व्यक्ति १६ सँ ३० बरखक अवस्थाकेँ छथि, हुनके टा युवा वर्गकेँ श्रेणीमे राखल जेतन्हि । आजुक दिन हड़ताल झेलब आ की तमाकुल झेलब ओतेक भारी नै छल जतेक की ई वृद्धावस्था झेलब (सरकारक अनुसारे) मोस्किल छल । नै जानि आइ किएक बाजपेयी जीक बड्ड यादि अबै छल, एहि दुआरे की कमसँ कम अपनाकेँ एखन धरि युवा तँ बुझै छलहुँ किएक की हुनक युवा उमेर निर्धारण सीमा छल १३ सँ ३५ बरख धरि छल । मोने मोने ई सोचि बैसल रही जे एखन विवाहक वैधता पाँच बरख धरि आरो अछि, मुदा ई की ?ई तँ एकाएक रातारातो वैधता समाप्त ।

आब कल्पना करए लगलहुँ जे, काल्हि सँ जे घटक एताह,

हुनका आँगुरपर गानि–गानि कऽ जन्म तिथि , मैट्रिक, इंटर, बी.ए. पासकेँ इसवी कहबन्हि आ ताहि गणनामे जँ कतहु चूक भेल तँ बुझू जे ई कलिजुग बिना गृहस्थाश्रमे केँ समाज सेवामे बीति जाएत । मोनेमोन फेर भोला बाबाकेँ गोहराबए लगलहुँ, "हे बाबा ! एहेन अनर्थ किएक केलहुं ?कम सँ कम हमर वियाह जवानीमे तँ होमय दैतौं।"

बड़ बेस! रातिमे सूतल रही, की देखै छी स्वप्नमे साक्षात् त्रिलोकीनाथ, गर्दैनमे फुफकारैत जुआएल गहुँमन साँप, हाथमे त्रिशूल आ डमरू, बाघक चामक ठेहुन धरि गमछा बना नुरियेने, सौंसे देहमे शमसानक छाउर हसोथने, हमरा सिरमा लग आबि ठाढ़ भऽ गेलाह आ कहए लगलाह, "हौ बौआ! हम दिने तोहर बात सुनै छलहु, मुदा ओतेक लोकक बीचमे कोना भेंट करितौं तैं एखन एकांतमे कहै छियह! तोहर मोन एतेक छोट किएक छह ?"
कहलियैंह, 'मोन छोट कोना नै हैत बाबा ?ई सरकार दुखी कऽ देने अछि । कहू तँ?वस्तुक दाम बढ़ा कए आकाश ठेका देने छै आ मनुक्खक युवा उमेर निर्धारण सीमामे दिनसँ दिन कोताहिये केने जाइ छै । देखियौ तँ बाजपेयी जी कतेक बढ़िया केने रहथिन्ह, उमेर सीमा निर्धारण ।'

बाबा हमरा हतोत्साहित देखि कहलाह, "सुनअ पढ़ल लिखल छह बात बुझबाक चेष्टा करअ । हौ ! बाजपेयीकेँ समयमे प्रधानमंत्रीसँ लऽ राष्ट्रपति तक केकरो देखलहक जे सोंगर पर ठाढ़ छल ?किएक तँ बेसी अवस्थाक रहितहु सभ अपनाकेँ जवान बुझैत छल, तैं ओ सीमा नमहर छलैक, ओनहियो ई सरकार संतुलन बनबए लेल महगी बढ़ा कऽ उमेर घटा रहल अछि किएक तँ बूझल छैक जे एहेन महगाईमे लोकक गुज़र बसर केनाइ आ जीयब कतेक मोसकिल छै, तैं मनुक्ख जतबा दिन जीत तहीमे अवस्थाक वर्गीकरण तालिका बनाओल जए ।

मोन छोट नहि करअ आ चिंता छोड़अ आ हमरा ई वचन दए जे काल्हि सँ तोँ अपन समयकेँ अनाप सनापमे एक्कहु क्षण व्यर्थ नहि करबह, आ जतबा दिनक ओरदा छ'ह ओतबे दिनमे गृहस्थ जीवनकेँ संग संग सामाजिक दायित्वक निर्वाहमे ततेक बेसी समर्पित भ' जाऽ जे दिनानुदिन तोहर कीर्तिसँ ई समाज, देश, कर–कुटुम, परिवार सभ तोरापर गर्व करए लागअ । एकटा बात आर मोन रखिह' जे, जे व्यक्ति कर्मठ अछि ओ सतत जुआने रहैत अछि किएक तँ ओ अपन लक्ष्यकेँ पाबए लेल ढसंकल्पित रहैत अछि ओकर लक्ष्यकेँ आगाँ वृद्धावस्था सेहो युवावस्था सश्य लगैत छैक । अंतमे शुभानि सन्तु !!"

कहि कए अन्तर्ध्यान भऽ गेलाह । जखनसँ निन्न खुजल तखनसँ अपनाकेँ एकदमसँ हट्टा–कट्टा जवान प्रतीत होमय लागल आ भोला बाबाकेँ ध्यानमे रखैत अपन कर्ममे लागि गेलहुँ ।

मनीष झा ''बौआभाइ''

सदस्यता फॉर्म
हमरा मिथिलांचल टुडे के सदस्यता चाही

नाम .....**पता** .....

फोन/मोबाईज नं. ..... **चैक / ड्राफ्ट संख्या** .....**दिनांक**.....

द्वारा MITHILANCHAL TODAY **के नामे पठा रहल छी जकर भुगतान** DELHI **में हैत ।**

वार्षिक सदस्यता के चेन्ह लगाऊ

भारत ☐ **रू.** 150/–
नेपाल ☐ **रू.** 250/–
विदेश ☐ US$ 25

हस्ताक्षर

अप्पन सदस्यता फार्म एहि पता पर पठाबी

–: संपादकीय कार्यालय :–
B-2/333 Tara Nagar, Sector-15, Dwarka
Old Palam Road New Delhi-110078
Phone- 011-32670787, 65858937 Fax- 011-25335034

For Online Payment please deposit in
SBI A/c No. : 32312430636(ifsc code-SBIN0006815)

फैशन आ भाषा

पहिले नऽ गाम–घर में टीवी, मोबाइल फोन, सिनेमा (विडियो), आ मनोरंजन सहित जीवन जीबाक आधुनिक शैलीक बहुतो बात नहि रहैक; आब समय काफी बदैल गेलैक अछि आ पुरान परिस्थिति पुनरू बहाल हो सोचनिहार बस हैरानी टा देखि सकैत छथि, मंशा पूरा कदापि नहि हेतैन।

मिथिलाक मैथिली (युवती) सभ एहि परिवर्तनसँ बहुत प्रभावित भेल अछि। आब मिथिलामे सेहो हिन्दी सिनेमाक हीरो–हिरोइन जकाँ सुलभ वार्ता करबामे ई सभ काफी आगू बढि गेल छथि। ततेक छोट यंत्र आ कोनो दोग–सान्हिमे बैसि अपन पसन्दक युवाक संग घंटों बात कय रहल छथि। पढाईमे अव्वल बनबाक कोनो खास उदाहरण नहि देखि सकलहुँ अछि, विरले १ः जनसंख्यामे विद्याबलसँ दुनिया जितयवाला स्वाभाव देखि सकब.... लेकिन लव मैटर्स – स्टोरी आब हर गाममे बनय लागल अछि। जनकजी, जानकीजीक ब्याह लेल शर्त लगेलाह, स्वयंबरकेँ बात कएल गेल... कारण जानकीजीक पाणिग्रहण करबाक लेल संसारक केश्वरश लालायित नहि छल... मुदा आठो ऋद्धि–सिद्धि के मलिका आ साक्षात् जगज्जननीक पाणिग्रहण करबाक सामर्थ्य राम छोडि दोसर के बनलाह से सभ जनिते छी... लेकिन आब सिया धिया अपनो व्यग्र छथि जे राम के बनताह। कारण छोट छैक, बगलवाली पडोसीक धियाकेँ गामहिके एक देखनुक युवा संग मोहब्बत भऽ गेलनि अछि आ हुनका सभकेँ बीच काफी रास प्रेमपत्र आदि सेहो आदान–प्रदान भेलैक जाहिमे एकपर एक शायरी आ फूल, पोस्टकार्ड, ग्रिटींग कार्ड, चोकलेट, सौन्दर्य प्रसाधनक समान संग केशमे लगबयवाला एक हार्ट सेप क्लीप आ तीरपर छौडाक नाम अंकित... अहाहा! हाय रे प्रेम! लव! आब हमर हिया कोना सम्हरत?हमहूँ अपन जोड़ीक खोजैमे दिन राति आँखि पसारने छी... ओ जे फिल्ममे देखेने रहैक जे हिरोइन अपन मकानक ड्योढिपर जा दूर बगीचामे आबि क्रिकेट खेलेनिहार किछु युवाकेँ निहारय आ जखन ओ टोली घूमि एलैक तँ अपन पसिनक छौडाक देह पर फूल फेकि नुका–नुका मजा लियऽ – आ दोसर फिल्ममे सेहो एक दोसरे युक्ति बतायल गेल छलैक... चल कोनो न कोनो युक्तिसँ लेकिन आब हमरो एगो लवर चाही। गामहिके छौडा हो वा बहरी... आब कि केकरो ब्याहक बाद मिथिला (गामघर)मे रहबाक अछि... अपन आशियाना तँ पक्के कोनो आन विकसित राज्यमे होयत जेना फूलियाक वर ब्याहक बाद सूरतमे अपन बसेरा बनेलक द्य फूलिया कहैत छल जे एकदम बूझ जे हम दुनू मिलिके कयामत से कयामत तक के ओ सिन जाहिमे हिरो–हिरोइन जंगलमे अपने सऽ मकान बनबैत छल आ गबैत छल... अकेले हैं तो क्या गम है.... तेनाही दुनू ब्यक्ति सूरतमे हँसी–खुशी छी आ ब्याह सँ कम से कम ५ वर्ष धरि बच्चा नहि हुए ताहि लेल मेडिकल थेरेपी लऽ रहल छी... कह तऽ आब ओ जमाना छैक जे १२–१३ मे बियाह आ ३० चढैत–चढैत बेटीक बियाह करैत सासु बनैत छल लोक... आब तँ साधारण ब्याहक उम्र मैथिलानीक ३० आ सासु कियो बनल नहि बनल अर्थात् ६०–६५ वर्षक वृद्धावस्थामे बनबाक लेल कतेको पहिलेहे बच्चादानीमे ट्युमरके रोग तँ स्तन–कैंसर आ कतेको ओ ५० तरहक दबाईक भोगफलसँ स्वर्गवास भऽ जाइत अछि... आ फेर गै दाइ! जखन हम तूँ एना केलियैक तँ हमर–तोहर बच्चा कि करतैक.... हिहिहि!! चल–चल! जे हेतैक से हेतैक... पहिले जवानीक नशा पी!! आइ लव यू! मेरे पास आ जा!! आया है मौसम प्यारका! गया जमाना इन्तजार का! सुनो ये मौसम क्या कहे! आइ लव यू! मेरे पास आ जा!! रू)

ऊपरका फैशन एखन बहुत तीव्र गतिसँ मिथिलापर हमला केने अछि। आब ओ समय गेलैक जे लोक सोचियो के माता–पिताक पाँजिसँ बाहर निकलबाक सोच बनबैत छल। ततेक नऽ दहेजक प्रसार भऽ गेलैक आ होशियारी सभमें बढि गेलैक जे नहिये जनकके स्वयंवरकेँ सोच बनेबाक छन्हि आ नहिये दहेज लेल बड बेसी जोगार करबाक छन्हि.... जाति–कूल–मान–मर्यादा सभटा गेल तेल लेबय लेल आ बस हमरा करा दे ब्याह – ब्रहम बाबा!! गाउ आ मिथिला सऽ बाहर जाउ। पलायन तऽ करबाके अछि। मिथिला

प्रवीन नारायण चौधरी

दिल्ली मे मलंगिया नाट्य महोत्सव

दिल्ली मे मैथिली कला आ संस्तिक झंडा गाड़बामे मैथिली लोक रंग (मैलोरंग) केर योगदान सतत अविस्मरणीय रहत। ज्ञात हो कि मैथिलीक महान नाटककार श्री महेंद्र मलंगिया लिखित पाँच गोट नाटकक प्रस्तुति पाँच भिन्न–भिन्न रंगकर्मी संस्था द्वारा करेबाक वास्ते मैलोरंग ढसंकल्पित छल एहि आयोजनक नाम राखल गेल मलंगिया नाट्य महोत्सव आ एहिमे स्थानीय रंगमंडल मैलोरंग आ मिथिलांगन समेत सहरसासँ पंचकोसी, जनकपुर (नेपाल)सँ मिथिला नाट्य कला परिषद (मिनाप) आ कोलकातासँ मिथिला विकास परिषदकेँ सहभागिता निश्चितरूपे एहि विशाल महोत्सवकेँ सफल बनेबामे अभूतपूर्व योगदान देलक। अर्थोपार्जनमे व्यस्त रहैत दिल्ली सन व्यस्त शहरमे जहिना रंगकर्मी लोकनि समय समयपर एहेन आयोजन करैत छथि तँ ई बुझू जे भाषा आ नाटक प्रेमी दर्शकक सिनेहकेँ सेहो नजरअंदाज़ नहि कएल जा सकैए । किछु एहने सन अनुभव एहि महोत्सवमे देखबामे आएल।

26 दिसम्बर कए एहि महोत्सवक शुभारम्भ विशिष्ठ अतिथि पद्म विभूषण निरंजन गोस्वामी जीक करकमलसँ मलंगिया जीकें प्रदान कएल गेल ष्ज्योतिरीश्वर सम्मानष सँ प्रारंभ भेल। एहि महोत्सकवक शुरुआत महेंद्र मलंगिया, देवशंकर नवीन, विद्यानंद ठाकुर, मोहन भारद्वाज आ पंचानन मिश्र दीप प्रज्वलन कए केलथि। एहि अवसरपर महेंद्र मलंगिया लिखित नाटक संग्रह ष्महेंद्र मलंगियाक सात नाटकष पोथीक लोकार्पण सेहो भेल। एहि पोथीकेँ श्मैलोरंग प्रकाशनश प्रकाशित केलक , जेकरा सम्पादित केलनि मैलोरंगक निदेशक प्रकाश झा । ई पुस्तिक छात्रोपयोगी हएबाक कारणे विभिन्न विश्विद्यालयमे पठेबाक विचार सेहो कएल गेल। एकर बाद प्रारंभ भेल महोत्सवक पहिल नाटक पंचकोसी, सहरसाक प्रस्तुति।

पहिल दिन–अलख जगओलक ''गाम नै सुतैइयै''

मलंगिया नाट्य महोत्सवक सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति (मैलोरंगक) कार्यकर्ता लोकनि सुचारू रूपसँ कार्यक्रमक संचालन हेतु अपस्यांत देखबामे अएलाह । दिल्लीक शीतलहरीक कोनो परवाह केने आ यत्र–तत्र बाट जामकेँ फनैत मैथिली भाषा आ संस्ति प्रेमी अर्थात दिल्लीमे रहनिहार नाटक प्रेमीक महीनो पूर्वक नियार आइ सार्थक होइत देखबामे आएल। प्रेक्षकक उपस्थितिसँ प्रेक्षागृहमे बजैत थोपड़ी भाषानुरागी मैथिलक पहिचान करबामे कतहु नहि चूकल। विधिवत उदघाटन समारोहक पश्चात आजुक नाटक श्गाम नै सुतैइयैश केर संग श्री गणेश भेल। एहि नाटकक मंचनकेँ जिम्मा लेने छलाह पंचकोसी (सहरसा) रंगमंडलकेँ रंगकर्मी लोकनि जकर निर्देशन केने छलाह युवा निर्देशक उत्पल झा । मात्र जिम्मेटा नहि अपितु एकरा समस्त कलाकार लोकनि अपन–अपन चरित्रकें बेस निष्ठा आ कोशलक निर्वाह करैत जे प्रस्तुति देलनि ओ कहबा जोग नहि बल्कि देखबा जोग छल। एहि नाटकक कथा गामक किछु असामाजिक तत्त्वके धेआनमे रखैत लिखल गेल छल जाहिमे ई प्रतीत होइत छल जे राजनीतिज्ञ व्यक्ति लोकनि कोन रूपे गामक बेरोजगार युवकक प्रयोग अपन नीजी स्वार्थ सिद्धिके वास्ते करैत छथि। चोरी–डकैती, हत्या, बलात्कारमे लिप्त युवकक संग एहिमे पुलिस आ बाहुबलीक सेहो भूमिका होइत अछि । नाटक ष्गाम नहि सुतैइएष शब्दके सार्थकता तँ तखन देखबामे अबैत अछि जखन कि सगरो गामक लोक युवक लोकनिक एहि क्रियाकलाप सभसँ अशान्त रहैत अछि आ एहि कुत्य सभक विचार–विमर्शक अड्डा गामक चाहक दोकान अछि। निर्देशक उत्पल झा अलग– अलग भाषामे प्रायः तीसटासँ बेसी नाटकक निर्देशन कए चुकल छथि । जखन हुनक अनुभव केर सम्बन्ध मे पूछल गेल तँ कहलनि जे हम प्रायः अंग्रेजी, हिन्दी, असमिया आदि भाषामे बहुत निर्देशन केलहुं मुदा जे आनंद अप्पन मैथिलमे भेटैत अछि ओ आन भाषामे कतए पाएब ।

एहि नाटककें सफल बनेबामे जाहि कलाकार लोकनिक अमूल्य योगदान रहल हुनक नाम अछिअमित कुमार, मो.शहंशाह, मिथुन कुमार, श्याम किशोर कामत, नितिन कुमार पोद्दार, विकास भारती, मनीष कुमार पाठक, सोनू कुमार, अभय कुमार मनोज, संतोष कुमार मिश्र, श्वेता कुमारी, ऋषभ कुमार, सुबोध कुमार पोद्दार, आदित्य आनंद, अजय कुमार, राम कुमार, रूपम श्री आ खुशबू कुमारी। मंच संचालनक जिम्मा सम्हारने छलाह स्वयं मैलोरंगक निदेशक प्रकाश झा। देवशंकर श्नवीनश जी आजुक नाटकक निर्देशक उत्पल झाकें मैलोरंगक प्रतीक चिन्ह आ पुष्पगुच्छ दए सम्मानित केलनि आ सहयोगी कलाकार लोकनिके प्रशस्ति प्रमाण पत्र देल गेल। प्रथम दिनक आयोजन निश्चित रूपे सफल रहल।

दोसर दिन–धोलक मोनक मैल ''छुतहा घैल''

मलंगिया नाट्य महोत्सवक दोसर दिन माने 27 दिसंबरक सांझ 6:30 बजेसँ श्रीराम सेंटर, मण्डी हाउसमे नाटक श्छुतहा घैलश लक मंचन सफलतापूर्वक संपन्न भेल। स्त्री विमर्श पर आधारित एहि नाटकक माध्यमे ई जनाओल गेल अछि जे समाजमे स्त्रीक उच्च भूमिका रहितो ओ मात्र भोगक वस्तु बनि रहि गेल छथि । नाटकक मुख्य पात्रमे मिथिलाक लोककथामे अतुल्य बुद्धिक बखारी कहबै बला गोनू झाकें राखि हुनक बुद्धिमताक प्रमाण देइत महेन्द्र मलंगिया ई साबित केलनि जे स्त्री अपन अधिकार लेबासँ सेहो वंचित छथि, तैं गोनू झा हुनका सोझ बाटसँ भुतला कए ओहि बाट पर लए गेलनि जतए स्त्रीक अपन

वास्तविक अधिकारक आभास भेलनि आ संगहि ई मूल मंत्र सेहो देलथिन जे नारी अपन मर्यादाक निर्वाह करैत अड़ब, लड़ब आ मरब सन बाट पर जँ चलय तँ ओकरो स्वतंत्र श्वांस लेबाक अधिकार छैक। अभिनेता लोकनिक बीचक सटीक वार्तालाप एहि बातकें प्रमाणित करैत छल जे कलाकार लोकनि कतेक समर्पित भए पूर्वाभ्यास केने छलाह आ संजय चौधरीक निर्देशन कतेक प्रभावी छल। उक्त विषय पर आधारित एहि नाटकक मंचीय प्रस्तुति करैत जे कार्य मिथिलांगन केलक ताहि लेल समस्त मिथिलांगनक रंगकर्मी लोकनि सराहना, प्रशंसा आ बधाइकेँ पात्र छथि। प्रेक्षागृह अंत धरि खचाखच भरल रहल। नाटकक एक–एक श्य, एक–एक समाद ततेक रोचक छल जे उपस्थित दर्शक लोकनिकें बेर–बेर थोपड़ी बजबए लेल बाध्य करैत छल। नाटकक बीच –बीचमे नट (भास्कर झा) आ नटी (कल्पना मिश्रा) द्वारा हास्य, व्यंग्य आ करुण वाद–संवाद नाटकक रोचकतामे आओर बेसी तालमेल बनौलक। । दिल्लीमे दामिनीक संग भेल सामूहिक बलात्कार पर घटित घटनाके सेहो संवादमे जोड़ैत आओर विषयपूरक आ समसामायिक भए गेल ।

तेसर दिन–नाटक हिट, हिट मैथिली भाषा, ''ओकरा आंगनक बारहमासा''

तेसर दिन माने 28 दिसंबर 2012 कें सांझ 6:30 बजेसँ श्रीराम सेंटरमे संस्था मिथिला नाट्यकला परिषद, जनकपुर (नेपाल) द्वारा रमेश रंजनकें निर्देशनमे महेंद्र मलंगिया लिखित नाटक ''ओकरा आँगनक बारहमासा''क सफलतापूर्वक मंचन कएल गेल । एहि अवसरक विशिष्ट अतिथि नेपालक वर्तमान राष्ट्रपति महामहिम डॉ. राम वरण यादव अपन उपस्थितीसँ कलाकार लोकनिक उत्साहवर्धन केलनि। मैथिलीक सुपरिचित साहित्यकार देव शंकर श्नवीनश मंच संचालित करैत राष्ट्रपति जीक स्वागत केलनि आ हुनक मंच पर पदार्पण केर उपरान्त सर्वप्रथम गोसाओनिक गीत श्जय–जय भैरविश मैथिलीक सुप्रसिद्ध गीतगाइन रश्मी रानीक स्वरमे कर्णप्रिय वातावरण बनौलक। राष्ट्रपति अपन अभिभाषणकें ठेंठ मैथिलीमे केलनि । राष्ट्रपतिक यथोचित सम्मान केर उपरान्त नाटक अपन नियत समय सश प्रारंभ भेल।

नाटकक नामहिसँ कथा स्पष्ट अछि श्ओकरा आँगनक बारहमासाश, ककरा आँगनक बारहमासा ?ओहि दलितक आँगनक बारहमासा जकरा बारहो मास आर्थिक विपन्नता अपन कुचक्रमे ओझराकें नहि तँ जीबश देमय चाहय छै आ ने मरबा लेल बाट छोड़ै छै। ताहि पर सं गामक धनाढ्य मालिक सभक कर्जा आ सुइद, असाध्य बीमारी, बेरोजगारी आदि तिल–तिल क' मरबा लेल बाध्य कश देइत छैक। नाटकक मुख्य पात्र मल्लर (राम नारायण ठाकुर) जे घरक मुखिया आ अपने दम्मा सन गंभीर बीमारीक शिकार सेहो रहैत अछि, अर्थाभाव आ इलाज़क अभावमे अपन प्राण तजि देइत अछि, मरबा कालक अंतिम इच्छा जतौने छल एक मुट्ठी भात आ कने छौंकल दालि खेबाक जे खेना कतेको मास भए गेल रहैक, नै पूरा भेलैक। मरलाक उपरान्तो जमीन, लकड़ी आ कफ़नक अभावमे ओकरा मुँहमे मात्र आगिक बाती लगा नहरिमे भंसिया देल गेलैक । एहि लेखनमे सामाजिक असमानता स्पष्ट रूपसँ देखल जा सकैत अछि जे कियो खाइत–खाइत अपस्यांत रहैए आ ककरो मरला उपरान्त कफ़नो नसीब नहि होइत छैक । नाटकक एक–एक क्षण एतेक मार्मिक आ सत्य प्रतीत होइत छल जे समस्त प्रेक्षक लोकनिक आँखि नम भए गेलनि । रमेश रंजन जीक निर्देशनमे – राम नारायण ठाकुर, रवीन्द्र झा, प्रियंका झा, अनिल चन्द्र झा, मदन ठाकुर, विष्णु कान्त मिश्र, परमेश झा, आलोक मिश्रा, धीरज ठाकुर, स्वप्ना श्रेष्ठ, मुकेश ठाकुर, संदीप साह, अनीता रानी मंडल, मुकेश झा, सोनू कर्ण आदि अपन कला प्रदर्शनसँ वाह वाही लूटलनि । पार्श्व संगीत–सुनील मल्लिक, रमेश मल्लिक, प्रवेश मल्लिक आ सुमधुर स्वर–सुनील मल्लिक आ नेहा प्रियदर्शनीक छल जे मैथिली लोकगीतमे चर्चित बारहमासाक सस्वर नाटकक श्यक संग तालमेल बैसओबैत बेस प्रभावी रहल।

चारिम दिन–मंचित आ प्रशंसित भेल ''जुआयल कनकनी''

मैलोरंग द्वारा आयोजित पंचदिवसीय मलंगिया नाट्य महोत्सवक चारिम दिन माने 29 दिसंबर 2012 कें संध्या 6:30 बजे संस्था मिथिला विकास परिषद, कोलकाता द्वारा अशोक झाकें निर्देशनमे नाटक ''जुआएल कनकनी'' कें मंचन सफलतापूर्वक संपन्न भेल। नाटक प्रारंभ हेबासँ पूर्व मंच संचालित करैत मैलोरंगकें निदेशक प्रकाश झा। नाटक अपन पूर्ण तैयारीक संग निर्धारित समयसँ प्रारंभ भेल आ समाप्त होबय काल धरि दर्शककें अपनामे समेटि क' राखएमे सक्षम रहल। मलंगिया जीक कलम समाजक ओहि केंद्र बिंदु धरि पहुंचल अछि जाहि ठाम धनक लालचमे कोनो व्यक्ति कोन हद धरि नीच भ' सकैत अछि ताहि ह्रासित नैतिकताकें संवादक माध्यमें जाहि रूप मे नाटक मे रखलनि अछि ओ निश्चित रूपे सराहनीय आ अदम्य साहसक द्योतक अछि। नाटकक कथाक मुख्य सार ई जे नैतिक रूपसॅ भ्रष्ट एक परिवार जाहिमे एक भाइ अपन जेठ भाइकें जहर खुआ क' सर्पदंशक अफवाह पसारि ओकरा मृत्युक मुँहमे धकेलि देइत छैक आ ओकर विधवा संग कुत्य क' ओकरा समाजक नज़रिमे नीच बना देइत छै। विधवा कतेको बेर आत्महत्या करबाक प्रयास करैत अछि मुदा फूल सन बेटाक मुँह ताकि विचार त्यागि देइत अछि आ ओहि दिनक प्रतीक्षामे लागि जाइत अछि जखन बेटा नमहर भ' क' एहि अत्याचारक प्रतिशोध लेतैक। बेटा जखन वयस्क होइ छै तश समाज ओकरा आंगां माइयक एहि कुत्यक चर्चा करैत छै जाहि सश मर्माहत भश कश ओ माय सश घृणा करश लगैत छै, मुदा जखन बेटा एहि सबसश आक्रोशित भ' क' कनियाँ आ छोट भाइअक संग घर छोड़ि देबाक निर्णय लैत अछि तँ माए दुखी भ' कए जाहि बातकें बरखोसॅ मोनमे दबौने छल आइ उजागर नै करैत तश शायद बेटो हाथ सश चश्ल जइतै। बेटा विचलित मोन सश सभ बातकें सुनैत तत्क्षण ओहि पित्तीक हत्या करैत अछि जे नहि कि मात्र ओहि घरक वास्ते अपितु सम्पूर्ण मानव समाजक लेल कलंक छल। नाटकक कथाक आधार पर जुआएल कनकनी सश अभिप्राय एक विधवाक संचित वेदना अछि जे अंत–अंत धरि असह्य भ जाइत अछि।

मनीष झा ''बौआभाइ''

मिथिलांचल टुडेक' दरभंगा कार्यालय खूजल

दरभंगा मे सेहो मिथिलांचल टुडे के कार्यालय, अकचकेलहुँ नहि तऽ भाई। एक गोटे सँ पुछलियनि तऽ ओ बजलाह नहि तऽ एक्को रति ने हमरा खबैर भेटल छल जे मिश्रटोला दरभंगा नाग मंदिर के समीप मिथलांचल टुडे के दफ्तर खूजल अछि आ

उदघाटन समारोह मे आबि सभ किछु अपना आखि स देखल।

दरभंगा मे स्थानीय लोक सहित सभ गणमान्य व्यक्ति, शिक्षाविद, राजनेता लोकनि के प्रेस विज्ञप्तिक' माध्यम स हकार पठा देल गेल रहन्हि। मुख्य अतिथिक रूप मे डॉ. शीशिर झा (अध्यक्ष) भाजयुमो दरभंगा आ डॉ. गौड़ीशंकर राय ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय रहैथ। हिनका दुनू गोटे सँ गप नाद भेल त कहलन्हि जे ई त बड्ड खुशीक' गप जे दिल्ली सँ प्रकाशित मैथिली पत्रिका मिथिलांचल टुडे के दरभंगा कार्यालय खूजल अछि हमरा लोकनि बड्ड उत्साहित आ आशान्वित छी। उदघाटन समारोह मे शिक्षाविद वशिष्ट नारायण सिंह, प्रभाकर झा, मनोज राय 'गुड्डू', डा. अशोक झा, सत्येन्द्र कुमार झा (आकाशवाणी) दरभंगा, रूमा राय, रमण पासवान, सोनू झा सहित अनेको स्थानीय लोक उपस्थित रहैथ।

श्री वी.एन.सिंह उद्गार व्यक्त करैत बजलाह जे ई त भाषा–संस्कृति के सरंक्षित करबाक एकटा सराहनीय प्रयास अछि। स्थानीय कार्यालय के माध्यम स पाठक लोकनि के नियमित रूप सँ मिथिलांचल टुडे पत्रिका नियमित भेटैत रहत एतबाक हम आशा करैत छी।

(मिथिलांचल टुडे, हनुमान गंज (मिश्रटोला), नाग मंदिर के समिप, दरभंगा–846004)

प्रभाकर झा, मनोज राय 'गुड्डू'
(दरभंगा)

सगर राति दीप जरए संपन्न भेल

सगर राति दीप जरय'क ७९म आयोजन 'कथा कोसी' नामक वैनरक नीचाँ दिनांक १५ जून संध्या ६.३० बजेसँ शुरू भऽ १६ जूनक भिनसर ६ बजे धरि लौकही थाना अन्तशर्गत औरहा गामक मध्यद विद्यालयक नव निर्मित भवनमे श्री उमेश पासवानक संयोजकत्वदमे गोष्ठीथ सुसम्पधन्न भेल। अगिला ८०म गोष्ठीन सुपौल जिलाक निर्मलीमे हेबाक लेल उमेश मण्डील प्रस्ताव आएल जे सर्वसम्मतिसँ मान्यम भऽ घोषित भेल।

श्री जगदीश प्रसाद मण्ड ल एवं श्री रामचन्द्रघ पासवान जीक संयुक्तर अध्य क्षतामे तथा श्री वीरेर्न्द कुमार यादव आ श्री दुर्गागान्दच मण्डरलक संयुक्तक संचालनमे ऐ कथा गोष्ठीतक भरि रातिक यात्रा भेल। गोष्ठी क शुभारम्भ् श्री लक्ष्मीर नारायण सिंह एवं श्री रामचन्द्रत पासवानजी संयुक्त् रूपे दीप प्रज्वोलित कए उद्घाटन केलनि।

विदेह–सदेह–५ विदेह मैथिली विहनि कथा, विदेह सदेह–६ विदेह मैथिली लघुकथा, विदेह–सदेह–७, विदेह मैथिली पद्य, विदेह–सदेह–८, विदेह मैथिली नाट्य उत्सणव, विदेह–सदेह–९ विदेह मैथिली शिशु उत्स्व तथा विदेह–सदेह–१०, विदेह मैथिली प्रबन्धह–निबन्ध–समालोचना नामक पोथीक लोकार्पण स्थानीय विद्वतजन श्री संजय कुमार सिंह, श्री रामचन्द्री पासवान, श्री मिथिलेश सिंह, श्री राजदेव मण्डाल, श्री लक्ष्मी नारायण यादव तथा श्री वीरेन्द्रै प्रसाद सिंह द्वारा भेल।

लोकार्पण सत्रक पछाति दू–शब्द क एकटा महत्वलपूर्ण सत्रक सेहो आयोजन भेल जइमे श्री रामचन्द्रल पासवान, श्री बेचन ठाकुर, श्री कपिलेश्वर राउत, श्री कमलेश झा, श्री राजदेव मण्डपल, श्री राम विलास साहु, श्री उमेश नारायण कर्ण, श्री रामानन्दे झा 'रमण', श्री शंभु सौरभ, श्री जगदीश प्रसाद मण्ड्ल, डॉ शिवकुमार प्रसाद, श्री अरूणाभ सौरभ तथा श्री उमेश मण्डेल तथा संयोजक श्री उमेश पासवान द्वारा 'सगर राति दीप जरय' कथा गोष्ठीरक दीर्घ यात्रा तथा उदेसपर सभागारमे उपस्थिनत दूर–दूरसँ आएल कथाकार, समीक्षक–आलोचक एवं स्थाशनीय साहित्य प्रेमीक मध्यह मंचसँ अपन–अपन मनतव्यष रखलनि। जइमे सगर रातिक ७५म आयोजनक पश्चात ७६ म आयोजन जे श्री देवशंकर नवीन दिल्लीमे करेबाक घोषना तँ केने रहथि मुदा से नै करा साहित्यय अकादेमी द्वारा आयोजित कथा गोष्ठीघकेँ गनि नेने रहथि जहू गिनतीकेँ सोझरौल गेल आ तँए ऐ गोष्ठीदकेँ श्री उमेश पासवान अपन इमानक परिचए दैत ७९ म गोष्ठीोक आयोजन केलनि। ओ कहलनि जे हम सभ अर्थात् विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलनसँ जूड़ल मैथिली विकास प्रेमी छी। हम सभ ७७म, ७८ म आयोजनक आयोजन कर्ताकेँ स्पष्टू रूपे कहैत एलियनि जे मुदा हमरा सबहक बात नहियेँ विभारानी मानलनि आ नहियेँ कमलेश झा मानलनि। मुदा से हमहूँ नै मानब आ सही–सही गिनती करब। आ तही दुआरे ऐ गोष्ठीँक आयोजन ७९मे आयोजन तँइ भेल, आयोजित भेल। हलाँकि दरभंगासँ आएल कथाकार श्री हीरेन्द्रय कुमार झाक उकसेला पर रहुआसँ आएल श्री विनय मोहन झा जगदीश, श्री दुखमोचन झा आ दरभंगेसँ आएल श्री अशोक कुमार मेहता हीरेन्द्रा झाक संग गोष्ठीाक आरम्भदक घंटा भरिक पछाति चलि जाइ गेला।

जीविते नर्क (उमेश मण्ड ल), शिक्षाक महत (राम विलास साहु), बिआहक पहिल गिरह (दुर्गानन्दव मण्ड ल), बौका डाँड़ (लक्ष्मी दास), बंश (कपिलेश्वर राउत), टाटीक बाँस (राम देव प्रसाद मण्डनल 'झारूदार'), सगतोरनी (शिवकुमार मिश्र), पाथर, पियक्कर, जोगार आ अंग्रेज नैना (अमीत मिश्र), संत आकि चंठ (बेचन ठाकुर), अछोपक छाप (शम्भु सौरभ), नमोनाइटिस (उमेश नारायण कर्ण), द्वादशा (सुभाष चन्द्र 'सिनेही'), राँड़िन (रोशन कुमार 'मैथिल'), पँचवेदी (अखिलेश कुमार मण्डकल), मुइलो बिसेबनि (जगदीश

प्रसाद मण्ड्ल) इत्या दि महत्वटपूर्ण लघु कथा/विहन कथाक पाठ भेल आ सत्रे–सत्र मौखिक टिप्पदणी आ समीक्षा भेल।

अछोपक छाप (शम्भुन सौरभ) क समीक्षाक क्रममे श्री रमानन्द झा ष्रमणष कथावस्तुसँ अपन असहमति देखेलनि आ कहलनि– ष नै आब ई गप नै अछि, एकटा गप एतै देखियौ, हम रमानन्द झा ष्रमणष श्रोत्रिय उच्च कुलक, आ कतऽ आएल छी! उमेश पासवानक दरबज्जापर!ष श्री बेचन ठाकुर श्री रमानन्द झा ष्रमणष्क नव–ब्राह्मणवादी सोचक विरोध करैत कहलनि– ष लोकक मगजमे अखनो जाति–पाति भरल छै, मैलोरंगक प्रकाश झा तैं ने कहै छथि जे बेचन ठाकुर भरि दिन तँ केश काटैत रहैए, ई रंगमंच की करत!! श्रीधरमकेँ सेहो ई गप बुझल छन्हि। माने मैथिली साहित्यकार, समीक्षक आ रंगमंचसँ जुड़ल ब्राह्मणवादी आ नव–ब्राह्मणवादी सोचक लोककेँ देखैत ई कहल जा सकैए। २१म शताब्दीमे श्री रमानन्द झा ष्रमणष्क बयान ई देखबैत अछि जे कोना ओ उमेश पासवानक दरबज्जापर आबि उपकृत करबाक भावनासँ ग्रसित छथि।

अगिला ८०म गोष्ठीत सुपौल जिलाक निर्मलीमे हेबाक लेल उमेश मण्डतल प्रस्ताव आएल जे सर्वसम्मतिसँ मान्यम भऽ घोषित भेल।

पूनम मंडल
(निर्मली)

जनहित पुस्तकालय, मंगरौना

पताः– ग्राम–मंगरौना, थाना– अंधराठाढ़ी,

जिला– मधुबनी(बिहार)–847401

डा. कृष्ण कुमार राय 'किशन'
(महासचिव)

डा. गौड़ीशंकर राय
(अध्यक्ष)

मो. – 91–9471638333

मिथिलांचल टुडे परिवार दिस सँ संपूर्ण मिथिलावासी आ भारतवासी के गणतंत्र दिवस एवं ईद–उल फितर के हार्दिक शुभकामना

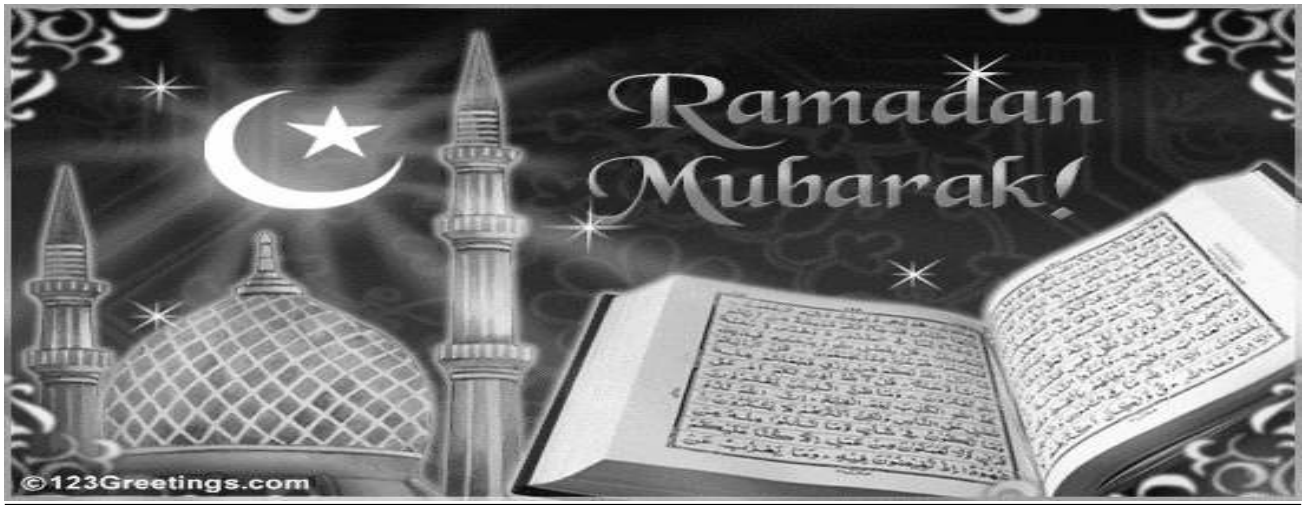

मिथिलाक' कमप्यूटर मैन : अदभूत स्मृति

मिथिला आदिकाल सॅ प्रतिभा संपन्न रहल अछि। गामे–गामें उच्च शिक्षावान, प्रतिभाशाली लोक सभ भेटत। एकटा एहने प्रतिभा संपन्न लोक छथि– वशिश्ठ ना0 मिश्र। ई अद्‌भुत स्मृति अभिक्षमताक महारथि माने धनि छथि। जेकरा कतेको संस्था जेना कि लिमका बुक, सहित कतेको विदेशी शिक्षण संस्था सभ चिन्हित केलक अछि।

★★★★★

हिनक विस्तृत परिचय –

नामः– श्री वशिष्ठ नारायण मिश्र

उम्र– 68 वर्ष

योगयता– स्नातकोतर, प्रबंधन मे डिप्लोमा

निवासी : ग्राम– भूसकौल, **जिला**– दरभंगा

संप्रति – कोल इंडिया लिमिटेड सॅ सेवानिवृत प्रबंधक

नोट – ई 5 मिनट मे लोकसभा सदस्य, संभाग, राज्य मंत्री, इत्यादीक नाम मुझबानी कहि सकैत छथि। कहबाक तात्पर्य ई जे हिनका मे उच्च स्मृति अभिक्षमता छैन्हि।

★★★★★

बिरजूक कनियाँ

भिनसरेस गाममे हल्ला छल की
बिरजूक कनियाँ भागि गेलै,
असोरा पर बैसल साउस
बिख्खिन्न–बिख्खिन्न गारि पढ़ै छेलै
ई अल्लछी दूए सालमे
हमर बेटाकेँ खाए लेलेक
आब घरसँ भागि कए
हमर नाक कटा देलक,
एहि गप्पपर
गामक चौपालपर बैसल किछु लोग मौन छलाह
बनवारीक दोकानपर किछु छौरा ठिठियाइत रहै,
इस्कूलक मास्टर विद्यार्थीसँ कहलखिन्ह
तूँ सभ जा कए खेलै
किछु अबोध बालक नै बुझलक जे
छुट्टी किएक भेल,
बैसल खड़िहानमे किछु जनानी बतियाइत छलथि
बिरजूक कनियाँ तँ एहन नै रहै
ओ तँ चुपचाप नोर पिबैत
साउसक गारि सुनैत छल
भोरसँ राति तक खटैत ओ
पीड़ाक आगिमे धधकैत छल,
बिरजूक मरलाक बाद
सभ ओकरा अलच्छी कहै छलै
ओकर माएओ नै कहियो बजबै छलै
ननैद साउसक व्यंगसँ ओ उकता गेलै
मुदा ओकर वेदना सुनै वला कियो नै छलै
जाइन परैए तैँ दुआरे ओ घरसँ भागि गेलै
सहनाइयोक एकटा सीमा छैक
सहैत तँ ओ कतेक सहैत,
दोसर दिन मंगला भोरे पोखरिक घाटपर गेल
ओतुका श्य देख अचंभित भेल
काठ हृदय मंगलाक आँखि भरि गेलै
डगमगाइत थरथराइत
मंगला बिरजूक घर पहुँचल
नोरक धार बहबैत
पुतला जेना ठाड़ छल
बिरजूक माए पुछ्लकै
रौ बाज ने की भेलौ
कपकपाइत आवाजे ओकर मुँहसँ निकलल
बिरजूक कनियाँक लाश पोखरिमे अछि परल ।

माएक व्यथा

कहियो माए मनबै छलै की
बेटा कहिया होएत
आइ बेटा मनबै छैक की
माए कहिया जाएत,
कहियो माएक लोरी सुनि कऽ
बेटा सुतैत छलै
आइ माएक कराहट सुनि कऽ
बेटा खिसिया गेलै,
कहियो माए सोचैत छलै की
भोरे बेटा इस्कूल कोना जाएत
आइ बेटा सोचैत छै की
भोरे माए हॉस्पिटलक खरचा बढ़ेएत,
कहियो माए लोकसँ मांगे छलै की
बेटा की खाएत
आइ माए बेटासँ मंगै छै नै तँ
पेट कोना भरतै,
कहियो माए कोबला करै छलै की
बेटा बड़का लोग बनत
आइ माएक मनमे शंका छै की
बेटा श्राधो करत की नै करत

रूचि गोस्वामी
(गुजरात)

घोटालाबला पाइ

ई पोटरी तँ हमरासँ
उठने नहि उठि रहल अछि
कनेक अहूँ जोड़ लगा दिय भाइ
ई छी घोटालावला पाइ ।

हम पूछलियन ई की छी
ओ हमरा कानमे कहलनि
कोयला बेचलाहा सभटा रुपैया
हम एहि पुत्रीमे रखने छी द्य

हमर सात पुस्तक गुजर
एहि रुपैयासँ चलि जाएत
हम धरतीमे पएर नहि रोपब आइ
ई छी घोटालावला पाइ ।

चुपेचाप थोड़ेक अहुँ लिअ
मुदा केकरोसँ कहब नहि भाइ
सरकारी संपैत हम केलहुँ राइ–छाइ
ई छी घोटालावला पाइ ।

कोयला भूखंडक बाँट–बखरा दुआरे
मंत्रिमंडलकेँ सर्जरी भेल
लोक हो–हल्ला केलक मुदा
कोयला दलालीकेँ नफ्फा हमरे टा भेल।

फेर मंत्री पद भेटत की नहि?
ताहि दुआरे चुपेचाप पोटरी बनेलौहं
सभटा अपने नाम केने छी भाइ
ई छी घोटालावला पाइ ।

देखावटी दुआरे सरकारी खजाना पर
बड़का–बड़का ताला लटकने छी
मुदा राति होएते देरी हमीह
भेष बदली खजाना लूटि लैत छी।

मंत्रीजीक कहल के नहि मानत?
सरकारी मामलामे किएक किछु बाजत?
चुपेचाप सभटा काज होइत छैक यौ भाइ
ई छी घोटालावला पाइ ।

किशन कारीगर
(दिल्ली)

होरीमे मचाउ हुरदंग

होरीमे मचाउ कनी हुरदंग
खुशीसँ जिनगी हुए रंग–बिरंग
"कारीगर" दैत अछि शुभकामना
खूम होरी खेलाउ दोस महीमक संग।

उज्जर मुहँ लाल–पीअर करू
खुशी मनाउ कनिको नै डरू
बुढ़बा बाबा मना करैथ तँ
हुनका माथ पर रंग–बिरंग बैलून फोरू।

रस्ता पेरा रंगीन भऽ गेल
डंफा बजाउ फगुआ गाउ
अहाँ अपने मने झुमू
आइ सभ मिली रंग घोरू।

मलपुआ खाउ अबीर उड़ाउ
आइ केकरो नहि अहाँ छोड़ू
पिचकारीमे रंग भरि
ओकरा रंग–बिरंग कए छोड़ू।

कि बुढ़–पुरान की छौंड़ा मारेर
धियो पूताक मोन भेल रंगीन
अबीर उड़ाउ खुशी मनाउ
अंगने–अंगने होरी खेलाउ।

आइ कियो नहि मना करत, सभ नाचौ अपना ताले
डंफा डूगडूगाउ ढ़ोलक बजाउ, नाचू अहुँ अपना ताले।

होरी आबि गेल यौ भाइ, रंग घोरैमे जुनि पछुआउ
हरमोनियावला हे यौ पिपहीवला
आउ–आउ सभ मिली जोगीरा गाउ।

कक्का औ बेसी नहि छिड़िआउ
आइ नहि मानब एक्कोटा बात
बाल्टीमे अछि रंग घोरल
उज्जर मुँह करब कारी सियाह।
हँसी खुशी सँ होरी खेलाउ, आ खा लियअ देसी भाँग
जिनगी होएत रंग–बिरंग, होरीमे मचाउ कनी हुरदंग

किशन कारीगर
(दिल्ली)

अप्पन हारल बउहक मारल

अप्पन हारल बउहक मारल कोनटा बैसल कानी
डील–डौल केर लील–डाउनमे मोन पड़ै अछि नानी

नैन हुनक छल मृगमरीचिका नेह हमर मृगतृष्णा
मरुथलमे तैं भटकि रहल अछि कल्हुका राधा–कृष्णा
टैंट–घैंट सभ काटि खसेलक, कटगर हुनक जुआनी
अप्पन हारल बउहक मारल कोनटा बैसल कानी
डील–डौल केर लील–डाउनमे मोन पड़ै अछि नानी

सुलफा बनि–बनि कोंढ़ गड़ैए हुनकर बौंसब–वाणी
ओ औंसै छथि केश तेल, हम लगबी कुट्टी–सानी
बइसा भूस्सा–थइर हमर,ओ बनल फिरथि महरानी
अप्पन हारल बउहक मारल कोनटा बैसल कानी
डील–डौल केर लील–डाउनमे मोन पड़ै अछि नानी

कल्ला दबने रहै छी बैसल टोकलो पर नहि बाजी
जौं किछु बाजी, एतबे बाजी, हाँ–जी, हाँ–जी, हाँ–जी
नै तऽ टीक पकड़िकऽ नचती बनि साक्षात् भवानी
अप्पन हारल बउहक मारल कोनटा बैसल कानी
डील–डौल केर लील–डाउनमे मोन पड़ै अछि नानी

गृहदेवी केर प्रीत–प्रताड़न आब सहल नहि जाइए
भोला बाबा भक्त उबाड़ह कष्ट कहल नहि जाइए
बोझि–बोझि बेलपात चढ़ेबह, हे हौ औढ़रदानी !!
अप्पन हारल बउहक मारल कोनटा बैसल कानी
डील–डौल केर लील–डाउनमे मोन पड़ै अछि नानी

चन्दन झा
(कोलकाता)

राजधानी मे गाछ

कोनो दिन बाट चलैत, वेग मे
अनचोखे देखाएत डारि मे मज्जर !
युद्थ मे बाँचि गेल कोनो सिपाही जकॉ
आमक गाछ कोनो सरकारी
क्वार्टर–कालोनी सँ हुलकी दैत .
आब नहि रहल वसन्तक जिंजिर बजाएब
हृदयक केबाड़ खोलब गुदगुदाएब
नहि रहल रितुक गम गम समाद
पञ्चमी अबैत–अबैत हरियर कचोर
पल्लव, आम गाछ मोजराएब !
भरिसक गामो मे बन्द अछि आब मज्जर
देखीक –टिकुलाइत
किशोर मनक रितु–विकलता द
मज्जर मे
टिकुला हएबाक कंठाकुल प्रतीक्षा !
जानि ने कोना होइत हएत बिनु मज्जर
विद्यादायिनी वीणापाणिक पूजा ,
किताब,कौंपी ललका कलम आ
पोथी पन्ना मे राखल मयूर पाँखिक
वसन्त पञ्चिमी .दू
सिहकैत बसात लिखैए आब एके बेर
पीयर सुखाएल पात झर–झर .
सोंगड़ लागल कोनो ओलतीक छाहरि मे
सुस्ताइत हकमैत दुपहरिया –कुकूर
इतिहास प्रशस्त जिला नगर मधबन्नी सँ
अढ़ाइ कोस दूर

डा0 गंगेश गुंजन
(नोएडा)

मिथिलाक धार्मिक पर्यटन

उचैठ भगवती

प्राचीन मध्य मिथिलाक धरोहर पर्यटक एवं धार्मिक स्थल माँ भगवती अंकुरीय दुर्गास्थान मधुबनी जिलाकें बेनीपट्टी अनुमण्डलसँ ४ किलोमीटर पश्चिम दिशामे अवस्थित अछि । ई स्थान बहुत प्राचीन भगवतीक सिद्धपीठ नामसँ जानल जाइत अछि । एहि मन्दिरमे छिन्नमस्तिका माँ दुर्गा स्वयं प्रादुर्भावित छथि । एहि स्थानपर जे कोनो साधक जेहि मनोकामना पुर्तिक लेल जाइत छथि वो खाली हाथ वापस नहि अबैत छथि ।एहि संबंधमे एकटा प्राचीन कथा अछि–

माँ भगवतीक मन्दिरसँ पुरव दिशामे एक संस्त पाठशाला छल, मन्दिर तथा पाठशालाकेँ बीचमे एक नदी बहैत छल । कालिदास महामूर्ख छलाह एवं हुनक पत्नी विद्योत्तमा परम विदुषी छलीह । एक समय कालिदास पत्नीसँ तिरस्त भऽ माँ भगवतीकें शरणमे उच्चौठ आबि गेलाह आ ओतए स्थित आवासीय संस्त पाठशालामे भनसियाक कार्य करए लगलाह । किछु समय बितलाक बाद वर्षा ऋतुक आगमन भेल । एक दिन एहन वर्षा भेल जे नदीमे बाढ़ि आबि गेल । ओहिमे जलक धार बहुत तेज गतिसँ चलए लागल । दिनराति वर्षा होइते छल आ संध्यासमय सेहो भऽ रहल छल । मन्दिरकें साफ सुधरासँ पूजा, पाठ, धूप, दीप, आरतीक सब व्यवस्था पाठशालाक छात्र द्वारा होइत छलनि । वर्षाक विपरीत समय एवं नदीमे पानिक तेज धार देखि विद्यार्थी सभ भगवती मन्दिरमे साँझ देखाबयमे अपना सभके असमर्थ देखि मूर्ख कालिदासके साँझ देखाबयके लेल तैयार कएलनि आर हुनका सभ विद्यार्थी कहलखिन जे यदि अहाँ मन्दिरमे जायब तँ कोनो चिन्ह दए देबाक अछि। पंचतन्त्रक सूक्ति अछि "मूर्खस्य हृदयं शून्यं सर्वशून्यं दरिद्रताष्ई सूक्ति कालिदासके सामने चरितार्थ छलनि । कालिदास बिना किछु सोचने नदिमे कुदि पड़लाह । हेलैत–डुबैत कोनो तरहें ओ नदी पार भए गेलाह । मन्दिरमे दीप जरेलाक सोचय लगलाह जे हम मन्दिरमे चिन्ह देवाक लेल तँ किछु नहि अनलहुँ, किंकर्तव्यविमूढ़ भऽ सोचय लगलाह । किछु समय सोचलाक बाद मन्दिरके देवालपर दीप जरवलासँ जे स्याहि लागल छलैक ओहिपर हुनक ध्यान आष्ट भेलनि । सोचलनि जे समस्याक समाधान आब भऽ गेल । ओ अपन दहिना हाथकें स्याहिपर रगरिकए चिन्ह देबाक लेल स्थान खोजए लगलाह । मन्दिरकेँ देवालपर यत्र–तत्र स्याहिके दाग लागल देखि मनमे विचार कएलनि जे देबाल पर चिन्ह देलासँ बढ़ियां भगवतीकें मुँहपर चेन्ह देनाइ नीक होएत, कारण ओहिमे कोनो पूर्वक दाग नहि छैक । ई सोचि अपन दाहिना हाथ भगवतीक मुखमण्डल सामने बढ़ेलनि । की तखनहि माँ भगवति साक्षात् प्रकट भऽ मूर्ख कालिदासकेँ हाथ पकड़ि कहलखिन्ह, रे महामूर्ख ! तोरा चिन्ह लगयबाक स्थान मन्दिरकेँ भितर नहि भेटलौ । हम तोरासँ खुशी छी जे एहि आपत कालमे तों नदीपार भऽ दीप जरावय एलाह । माँ भगवतिक वचन सुनि मूर्खताक कारण पत्नी विद्योत्तमासँ तिरस्त होबाक कारणें कालिदास विद्यादानक याचना कयलनि । माँ तथास्तु कहि कहलथिन्ह, आइ राति भरिमे जतेक किताबकेँ तों स्पर्श कए लेबह

सभ कण्ठस्थ भऽ जेतह । एहि तरहक वरदान दय माँ भगवति अन्तर्ध्यान भए गेलीह । कालिदास सेहो कोनो तरहें नदी पार भ पाठशाला अयलाह । आब कालीदास विद्यार्थी लोकनिक खाना बनाय भोजन कराकऽ भरि राति जागि कए नीच वर्गसँ उच्च वर्गक पुस्तककेँ स्पर्श कयलनि । माँकेँ पासँ भारत वर्षमे कविताके लेल

अद्वितीय विद्वान भेलाह । ओ अनेकों काव्यक रचना केलनि यथारू– कुमार संभव, रघुवंश, मेघदूत इत्यादि । वर्तमान समय मन्दिरकेँ प्रांगणमे एक मण्डप बनाओल गेल अछि, एहि मण्डपमे कालिदासक जीवन सम्बन्धी सभ तरहक चित्र चित्रांकित अछि । मन्दिरकेँ उत्तर दिशामे एक विशाल पोखरि अछि । एहि मन्दिरपर सुबह शाम आस–पासक गाँवसँ हजारोंकेँ संख्यामे लोक पूजा–पाठ आरती करए अबैत छथि । एहि स्थान पर प्रतिदिन भजन, अष्टजाप, कीर्तन होइत रहैत अछि ।

विशेष उत्सव– आश्विन नवरात्रामे एहि स्थानपर विशेष उत्सव मनाओल जाइत अछि । एहि समयमे चारुकातसँ १५ कोस धरिकेँ लोक एहि पर्वमे सम्मिलित होइत छथि । नवरात्राके अष्टमी–नवमी तिथिकें बलि प्रदान हजारों संख्यामे कएल जाइत अछि ।

एहि स्थानकेँ विकासकेँ लेल बिहार सरकार समय–समयपर रुपयाक योगदान करैत रहैत छथि ।

आवागमनक सुविधा– बस द्वारा

१. पश्चिम दिशासँ – सीतामढ़ी–पुपरी भाया बेनी पट्टी उच्चौठ ।

२. दक्षिण दिशासँ – दरभंगा भाया रहिका, बेनीपट्टी, उच्चौठ ।

३. पुरव दिशासँ – लौकही, राजनगर, मधुबनी, बेनीपट्टी, उच्चौठ ।

४. उत्तर दिशासँ– नेपाल तराईसँ जयनगर, रहिका, बेनीपट्टी, उच्चौठ ।

५. उत्तर पश्चिम दिशासँ– मघवापुर, साहरघाट उमगाँव, बेनीपट्टी, उच्चौठ ।

अवि मिश्रा

बेटी हमर अभिमान

अभिमान अछि बेटी
मान अछि बेटी
माए बाबूक प्राण अछि बेटी
जँ नहि होए किनको बेटी
बुझू हुनक डाढ़ गेल टूटि ।

अभिमान अछि बेटी
माएक दुख ओ बुझैत अछि
हिरदयसँ नै कठोर होएत अछि
बापक करेजाक प्राण होएत अछि
बेटासँ बढ़ि कऽ अछि बेटीकेँ ज्ञान

अभिमान अछि बेटी
माता पिताक प्राण अछि बेटी
आजुक बेटी बेटासँ बढ़ि कऽ
ई सगरो दुनियाँ बुझैत अछि
तैयो नै जानि पापी दुनियाँकेँ
बेटी जन्मक सोच सताबैत अछि ।

अभिमान अछि बेटी।
"आशा"क गप्पपर दियौ ध्यान
अवश्य करु एकटा कन्या दान
जँ करब कन्या दान
तखने ने बाजव बेटी तु हमर अभिमान ।

नवीन कुमार "आशा"
लोहना (झंझारपुर)

गजल

रगरी भौजी देखहि तँ कोना हाथ मोचारै छै गे दाय
बलजुमरी पटकिकेँ कोना रंग लगाबै छै गे दाय

मलपुआ सनक गाल रंगि बनि गेलै हैँ दलिपूरी
खोंटि–खोटिं बड़ी केहन–कहाँ रूप बनाबै छै गे दाय

खाय लेनय छै भाँग फेटल औंटल खुआक मोदक
भंगजिलेबिये सन घुमल डाँर नचाबै छै गे दाय

सैलज भौजी आय भे गेलै केहन निरपट निर्लज
कोना दबाड़ि छौंड़िकेँ पुरुख चालि देखाबै छै गे दाय

रसिया भौजीसँ हारि दिअर–जन धे लेलकै दुआर
बहिनोक सोझहाँ कनियो लाज नै देखाबै छै गे दाय

बिन भौजी फगुआक अँगना लागै जेना भुतहाघर
रँगरस तँ चहटगर भौजीये बनाबै छै गे दाय

''शांतिलक्ष्मी''केँ तँ भौजी लागै बयस शिक्षाक मास्टरनी
नवतुरियाकेँ देह रसक पाठ पढ़ाबै छै गे दाय

(सरल वार्णिक बहर, वर्ण २०)

शांतिलक्ष्मी चौधरी
(सहरसा)

Better Vision

Authorised Dealers:

ZEISS Lenses

ESSILOR

Authorised Dealers:

Bausch & Lomb Contact Lenses

SIEMENS Hearing Aids

BIG BULLS

REALTY SERVICES

(A Real Estate Brokerage Company)

Deals in : Flats, Plots, Duplex, Simplex, Villas, Shops & Offices

Delhi-NCR - 9910006639/48/74 • Bihar-Jharkhand - 8809848580

Offices - DELHI-NOIDA-GR.NOIDA-BOKARO-DHANBAD-RANCHI-PATNA

(Website : www.bigbullsrealty.com • E-mail: info@bigbullsrealty.com)

ADITYA BIRLA GROUP

Aditya Birla Money

आदित्य बिरला मनी

Online Share Trading

NSE, BSE, F&O, MCX, CURRENCY

1. बेगरता

"यौ काका, माए बड़ जोड़ दुखीत छै, अस्पतालमे भर्ती करबअ परतै, कने अहाँ दस हजार रुपैयाक व्यबस्था कए दिअ पाँच छह महिनामे हम दए देब।"

"तोरासँ तँ किछु नुकाएल छहे नहि जे हमर हालत आइ काल्हि केहन अछि मुदा हाँ भीड़परक जामुनक गाछ जँ बेच दहक तँ हम मैलाम बलासँ गप्प करी।"

"बेचक तँ कोनो हर्ज नहि मुदा काका.... ओ जामुनक गाछ तँ कहूना पच्चीस हजारक हेतै।"

"हाँ हाँ किएक नहि पच्चीस की तीसो भेट सकैत छैक मुदा ओहि लेल पाँच छह महिनाक चर्च आ इन्तजार दुनू चाही मुदा तोरा एखने बेगरता छ एतेक जल्दी तँ कियो दसो दऽ दिए तँ बड़ छैक।"

"एखन एहिना कतौसँ इन्तजाम कए दिअ, गाछ बेचहे परतै तँ बादमे नीक पाइ भेटलापर बेच लेब।"

"से तँ बेस मुदा हमरा एखन कोनो दोसर उपाय कहाँ देखा रहल अछि।"

"पाइ तँ आइए काल्हिमे चाही।"

"हाँ ! भौजी लग किछु सोना होइन तँ...."

"सोना तँ सभटा पहिने बाबूक काजमे बिका गेलै। ठीक छै अहाँ साँझ धरि देखियौ, हमहूँ देखै छीऐ नहि किछु हेतै तँ जामुन गाछ तँ छैहे।"

भोरे भोर माए केर अस्पतालमे भर्ती भए गेलनि। चारिटा जोन भीड़ परहुक जामुनक गाछ काटैमे लागल। ओमहर काका अप्पन बैंकमे पन्द्रह हजार रुपैया जमा करबैत।

2.अपवित्र

भगवती मंदिरक प्राँगण। आरती होइत। भीरक अम्बार लागल। घरी घंटा, शंखादीक शुभ ध्वनीसँ चाहुदिस भक्तिमय वातावरण बनल। मंदिरक मुख्य पुजारी अपन दहिना हाथसँ बड़काटा प्रज्वलित पंचदीपसँ आरती करैत आ संगे बामा हाथसँ चम्बर डोलाबैत मधुर स्वरसँ भक्तिमे लीन भए माँ भगवतीक आरतीमे लागल। आरती अपन समाप्तिक दिस बढ़ैत। मुख्य पुजारीजी बिना पाछू देखने अपन जगहसँ आरती करैत चम्बर डोलाबैत, धीरे धीरे पाछू मुँहे मन्दिरकक्षसँ निकलि मंदिर प्राँगनमे भीरक बिच पाछूए मुँहे अबैत। ई हुनक नित्यक काज रहबाक कारणे हुनका पूर्ण अभ्यास रहनि। पाछू मुँहे, पाछू ससरैत ओ भीरक अन्तिम छोरपर पहुँचला। ओहिठाम सभसँ कातमे दू तीनटा मलीन बेसमे २५ सँ ३० बर्खक समबएस स्त्री ठार। शाइद हुनका सभकेँ नहि बुझल जे पुजारीजी एहिदने तुलसीचौरा लग जेता तैं ओ सभ पुजारी जीकेँ एला बादो अपन जगह ठाढ़े। पुजारीजी अपन दुनू आँखिकेँ गुम्हरि कए गरदैनसँ हतैक इशारा करैत, "हूँ।"

ओहिमे सँ एक (पहिल) स्त्री जे मधुरक एकटा डिब्बा भगवतीकेँ चढ़ाबै लेल अनने रहथि, "की हूँ।"

दोसर स्त्री, "गै ई कहै छौ ई डिब्बा दही ने मैयाकेँ भोग लगेतै।"

पहिल स्त्री मधुरक डिब्बा पुजारीजीकेँ दिस बढ़ोलनि, बढ़बैक कालमे ओ डिब्बा पुजारी जीक धोतीसँ भिर गेलन्हि। पुजारीजी, "हे भगवती! एकरा सभकेँ के आबै देलकै, देह अपवित्र भए गेल। फेरसँ स्नान कए तुलसीजीक आरती करए परत।"

तेसर स्त्री जे की चूप एखनतक सभटा गप्प सुनैत छली, "की पुजारी एखन तोहर धोतीमे भिरलासँ तुँ अपवित्र भऽ गेलह, तोरा फेरसँ असनान करेए परतअ आ रातिक अन्हारमे जे हमरा सभक घरे–घर मुँह मारैत रहै छऽ तैं कालमे तोहर देह अपवित्र नै होइ छऽ।"

जगदानन्द झा 'मनु'
(दिल्ली)

बात–बेबाक : बुन्दू सैफी

(सचिव दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ)

मिथिलांचल टुडे पत्रिका की खास पेशकश बात बेबाक में हमारे साथ आमंत्रित है। बुन्दू सैफी सचिव दिल्ली कांग्रेस कमेटी जिन से हम बात करेगें यूपीए–2 के पिछले नौ सालों के उपलब्धियों तक की साथ ही कांग्रेस पार्टी द्धारा देश विकास के लिए उठाऐ कदम तक की ।

प्र01. आज दिल्ली विकास के मार्ग पर प्रशस्त रूप में अग्रसर है । इसका श्रेय किसे देना चाहिए ?

बुन्दू सैफी : दिल्ली विकास के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। और देश की दिल के रूप में अपनी अगल पहचान बना चुकी है।

इसका श्रेय माननीय श्रीमति शीला दीक्षित (मुख्य मंत्री दिल्ली सरकार) जय प्रकाश अग्रवाल (दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, सांसद उत्तर पूर्वी दिल्ली) श्री कपिल सिब्बल (कानून मंत्रालय), श्रीमति कृष्णा तीरथ (सांसद उत्तर पश्चिम), श्री अजय माकन सांसद नई दिल्ली) डा0 ए0 के0 वालिया, श्री रमेश कुमार (सांसद दक्षिणी दिल्ली), को जाता है। इन्हीं लोगो के मेहनत के बल पर दिल्ली विकास की नई ऊचाइयों को छू रही है। सैफी ने कहा कांग्रेस पार्टी के सभी छोटे से बड़े कार्यकर्ता पार्टी में इमानदारी कर्तब्यनिष्ठा के साथ आम जनता के भलाई के लिए सोचते है। उन्होंने बूटा सिंह (पूर्व
गृहमंत्री भारत सरकार) के द्वारा पार्टी में दिए गये योगदान की सराहना करते हुए कहा कि श्री बूटा सिंह द्वारा पार्टी विकास के बड़ा योगदान दिया गया और वह (बूटा सिंह) आज हमारे लिए और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके पथ मार्ग पर आज अगर युवा पीढ़ी चले तो राष्ट्र निर्माण में अपना अहम् योगदान दे सकता है। साथ ही सैफी ने इस बात पर बल दिया कि बूटा सिंह ही मेरे राजनीतिक गुरू है और मार्गदर्शक भी है।

प्र02. क्या आप भी विधान सभा चुनाव के दावेदारों की दौर में भाामिल है?

बुन्दू सैफी : देखिए मैं कहना चाहूगां कि पहले मैं पार्टी का सच्चा – सिपाही हूँ। मैं चुनाव लडूगां या नहीं यह पार्टी आलाकमान पर निर्भर करती है।

अगर पार्टी आलाकमान मुझे चुनाव लड़ने के लिए टिकट प्रदान करती है। तो मेरे लिए गर्व की बात होगी साथ ही मैं विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि
मैं उनके आशाओं और उम्मीदों पर खड़ा उतरूंगा।

प्र03.बिहार में जेडीयू का बीजेपी से अलग होनें का फैसला कहां तक सही है?

बुन्दू सैफी : बिहार मै जेडीयू का बीजेपी से अलग होने का फैसला बिल्कुल सही हैं । बिहार मुख्यमंत्री नितिश कुमार ने इस कड़े फैसले से साबित किया कि वह धर्म निरपेक्ष छवि के नेता है । उनके द्धारा साम्प्रदायिक ताकतो को रोकने के लिए लिया गया फैसला सम्मान के योग्य है। बिहार में हमारे पार्टी विधायको ने नितिश के मत में वोट डालकर उन्हे सांप्रदायिक ताकतों को रोकने के लिए भाक्ति प्रदान किया ।

प्र0 4. जिस प्रकार से कर्नाटक विधान सभा चुनाव का मुदा **भ्रष्टाचार** था उसी प्रकार कांग्रेस पार्टी पर भी लगाकर आरोप लगते आ रहे हैं । तो क्या अगामी लोकसभा चुनाव 2014 में आपकी पार्टी को उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता हैं ।

बुन्दू सैफी : एसा बिल्कुल ही नही है कर्नाटक विधान सभा चुनाव में वहाँ की जनता भ्रश्टाचार से त्रस्त थी सत्ताधारी पार्टी बी. जे. पी . ने इसे और बढ़ावा दिया और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदुरप्पा को पद से हटाए जाने के बजाए उनका समर्थन किया, और जनता की बढ़ती आक्रोश को देखकर बाद में उनसे इस्तीफा दिया , देश की जनता विकास चाहती हैं । लोकसभा चुनाव (2014) कांग्रेस पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी जी के कुशल मार्ग दर्शन और पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी के कुशल नेतृत्व में (यूपीए) सरकार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी ।

प्र0 5 22 मई को यूपीए –2 सरकार अपनीं कार्यकाल की 9 साल पूरा किया सरकार के उपलब्धियों के बारे में कुछ कहना चाहेगें ?

बुन्दू सैफी : देखिए हमारी सरकार जमीनी 'तोर पर अपनें काम पर भरोसा रखती हैं ना कि बाहरी चमक दमक पर सरकार ने पिछले 9 सालो मे देश के विकास के लिए हर सभंव प्रयास किया ।

जिसमे मनरेगा जेएनएन यूआरएन आरटीआई पीएमएसवाई जैसी योजनाओ के जरिए देश के गरीबो और पिछडो का सशक्तीकरण करने की कोशिश की।

सहिन अन्य योजनाएं दर्शाती है। कि हमारी सरकार देश विकास के लिए कितनी सक्रिय है।

प्र06 अन्य दूसरी विपक्षी पार्टियों में उम्मीद्वारी चयन को लेकर मतभेद सामने आते है। आपकी पार्टी में एसा बिल्कूल ही नहीं ऐसा क्यों?

बुन्दू सैफी : देखिए मै कहना चाहूगां हमारी कांग्रेस पार्टी का एक ही ध्येय विकास का है जो सभी कार्यकर्ता इस बात को समझते है। पार्टी विकास कार्यो में हाथ बंटाने को सदैव तत्पर रहते है।

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में कार्यकर्ता एक जुटता और सुशासन के साथ कार्य करते है ।

मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के अथक प्रयास और कुशल मार्गदर्शन में दिल्ली देश के दिल के रूप में अलग पहचान बना चुकी है ।

प्र07 अगामी विधान सभा चुनाव में जनता किसका साथ देगी?ये एक बड़ा सवाल है, क्योकि टीम केजरीवाल भी राजनीतिक पार्टी की शुरूवात दिल्ली विधान सभा चुनाव से करने जा रही है। क्या इसका प्रभाव पार्टी पर पड़ेगा?

बुन्दू सैफी : दिल्ली विधान सभा चुनाव में जनता हाथ का साथ

देगी, क्योकि मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कु ाल नेतृत्व में दिल्ली ने पिछले 15 सालों से विकास की नित नई ऊचाइयों को छूआ, एसी बसें, मेट्रोरेल सेवा, बड़े–बड़े जगमगाते राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अनेकों विकास कार्य है।

जिन्हें जनता नही भूल सकती है । आम जनता मताधिकार का महत्व समझ चुकी है। टीम केजरीवाल की आम आदमी पार्टी द्वारा उम्मीद्वार उतारने के बाद भी हमारी पार्टी पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जनता हाथ का साथ देगी।

प्र08 लोकसभा चुनाव 2014 के चुनाव में कौन सी पार्टी सत्ता में आएगी?

बुन्दू सैफी : लोक सभा चुनाव 2014 में कांग्रेस पार्टी ही सत्ता मे आएगी और जनता किसी के बहकावे मे नही आएगी, क्योकि कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष माननीय श्रीमति सोनिया गांधी ने देश विकास के लिए हर संभव प्रयास है।

प्र09 देश का अगला प्रधानमंत्री कौन?

बुन्दू सैफी : देश का अगला प्रधानमंत्री राहुल गांधी होगे, क्योकि देश की जनता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद जैसे सर्वोच्च पर आसीन होते देखना चाहती है।

आज देश का 65 प्रतिशत युवा राहुल गांधी को अपना प्रेरणा स्रोत मानता है।

राहुल में उनके पिता स्व0 राजीव गांधी समान सादगी लोगो के सुख–दुख में शामिल होने की कला उन्हें कुशल राजनीतिज्ञ की श्रेणी में खड़ा करती है।

रमजान (रोजा) की भुभकामनाएँ

बुन्दू सैफी : (सचिव दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी) एवं सैफी एकता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समस्त देशवासियों को रमजान (रोजा)हार्दिक शुभकामनाए दी, साथ इन्होंने चौधरी प्रेम सिंह (पूर्व स्पीकर), राजकुमार चौहान (विधायक एवं मंत्री मंगोलपुरी), रमाकांत गोस्वामी (मंत्री), अमरीश सिंह (डिप्टी स्पीकर), श्रीमंगत राम सिंघन (विधायक,आर्दशनगर विधान सभा), अनिल कुमार (विधायक,पटपड़गंज विधानसभा), सुभाष चोपड़ा (विधायक, कालकाजी विधान सभा), देवेन्द्र यादव (विधायक बादली विधान सभा), श्रीमति बरखा (विधायक आर0 के0 पुरम विधान सभा), मतीन अहमद् (विधायक सीलमपुर विधान सभा), अनिल भारद्वाज (विधायक श्रीनगर विधान सभा), मुकेश शर्मा (विधायक उत्तम नगर विधान सभा), राजेश लिलौठिया (विधायक पटेल नगर विधान सभा), हरिशंकर गुप्ता (विधायक वजीरपुर विधान सभा), जसवंत सिंह (विधायक नरेला विधान सभा), बलराम सिंह तंवर (विधायक छतरपुर विधान सभा), अरविन्दर सिंह लवली (विधायक देवली विधान सभा), विजेन्द्र सिंह (विधायक नांगलोई जाट विधान सभा), डा0 नरेन्द्र नाथ (विधायक विश्वास नगर विधान सभा), राजेश जैन (विधायक सदरबाजार विधान सभा), प्रहलाद सिंह स्वामी, (विधायक चांदनी चौक विधान सभा), कुंकरून सिंह (विधायक मॉडल टाउन विधान सभा), विपिन शर्मा (विधायक रोहतास नगर विधान सभा) नन्द किशोर (विधायक विकासपुरी विधान सभा), सुरेन्द्रपाल सिंह (विधायक तिमापुर विधान सभा), वीर सिंह धिमान (विधायक सीमापुरी विधान सभा), सुरेन्द्र कुमार (विधायक बवाना विधान सभा), दयानन्द चन्ददीला (विधायक राजैरी गार्डेन विधान सभा), माला राम गंगवाल (विधायक मादीपुर विधान सभा), हसन अहमद (विधायक मुस्तफाबाद विधान सभा)

, आदि को श्री सैफी ने अपने क्षेत्र मे करवाए जा रहे विकास कार्य के लिए बधाइयाँ दी । राहुल गांधी फैन्स ऐसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव लोकनाथ शुक्ला ने **समस्त देशवासियों को रमजान (रोजा) की हार्दिक शुभकामनाएं दी।**

मिथिलांचल टुडे मे विज्ञापन बुकिंग लेल सम्पर्क करू

दरभंगा : प्रभाकर झा – 9334912721

मधुबनी : सोनू झा – 7677095182

दिल्ली : नीतीश चौधरी – 9136187133

दिल्ली : बबलू मुखिया – 9958067341

नोएडा : मदन ठाकुर – 9312460150

नोएडा : संतोष मोहन ठाकुर – 9818308993

गाजियाबाद : रामू शर्मा – 9990049741

मुंबई : पंकज झा – 9230405164

कोलकाता : भास्कर झा – 9432386278

बोकारो : राजीव ठाकुर – 7856033533

रायपुर : चंदन झा – 9755097749

नेपाल : विनीत ठाकुर – 977–9841563408

शर्लिन चोपड़ा के सेक्सी अंदाज

फिल्म मे चुलबुली आइटम, बिंदास आ सुपर सेक्सी अंदाज त आब एकदम अनिवार्य आ साधारण गप भ गेल। फिल्म केहनो हुउए मुदा आइटम डांस आ सेक्सी अंदाज त एकदम अनिवार्य एहि बिना त बूझहू सभ किछु सुन्न। ई एहेन आइटम जे द र्ाक सभ के मनोरंजन कए के लटका झटका सॅ मोन मोह लैत अछि।

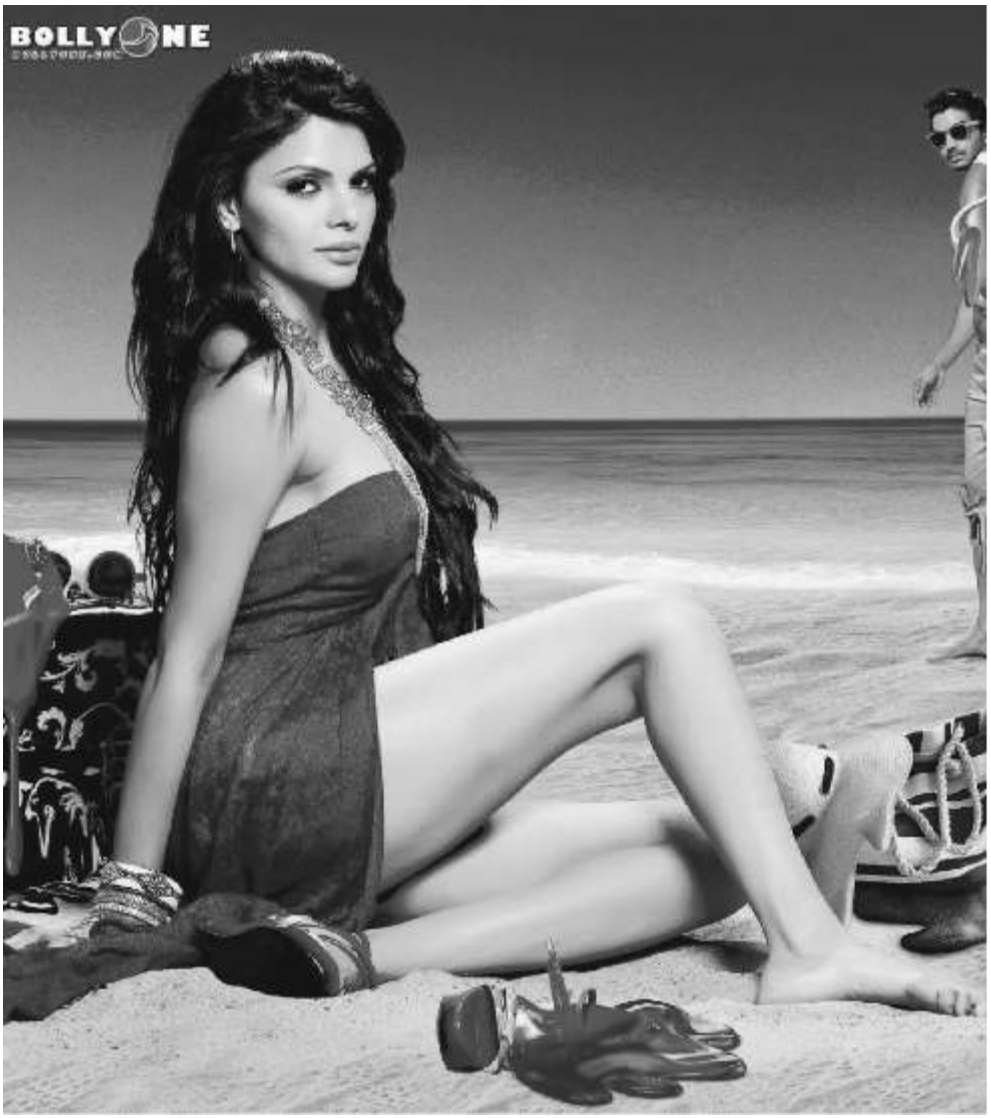

एहि बिंदास अंदाज दुआरे एखनि चर्चा मे बनल छथि भार्लिन चोपड़ा। हिनकर सेक्सी अंदाज त सभ हिरोइन के पछारि दैत अछि। आब त इहो चर्चा एकदम जोर पकरने अछि जे टी.वी. रियल्टी भाो मे सेहो भार्लिन चोपड़ा अपना नव अंदाज मे अप्पन सेक्सी जलवा देखौतीह। आब त अहू केहेन खुश भेल होएब जे टी. वी पर एतेक नीक आईटम सभ। अहूक मोन धक–धक करैत मोन होएत जे राजधानी एक्सप्रेस मे बैसल दिल्ली स पटना होइत दरभंगा जा रहल छी। त आब की देखैत रहू टी. वी पर आइटम आ भार्लिन चोपड़ा के फिल्मी फुलझड़ी।

स्पॉट फिक्सिंग आ क्रिकेट

आइ.पी.एल मे रूप्पैया झहैर रहल अछि, चियर लीडर्स ठुमैक रहल अछि आ फटाफट क्रिकेट भ रहल अछि। एकदम अदभुत, एहेन जे देखनिहार नेहाल आ सभ मैच मे नित नवका कमाल। ततबेक नहि इहो जे श्रीशांत बौआ केलैन धमाल तहू मे एहेन गेलाह मालामाल। तकरा बाद त कि कहू दिल्ली आ मुंबई पुलिस एकरा सभ के गिरफतार कए नाचि रहल अछि अपने ताल, एक के बाद एक खुलासा। स्पॉट फिक्सिंग क्रिकेट इतिहास मे एकटा कारी धब्बा लगा देलक। श्रीशांत संगे चंदीला आ अंकित

जे आब किछू कहबा जोग नहि।

क्रिकेट, रूप्पैया आ सट्टेबाजी त आब बड्ड पैघ बेबसाय बनि गेल। क्रिकेटर सभ धनक पाछू अपस्यॉत भेल दुनू हाथे धन बटोरी रहलाह। आब कि कहू स्पॉट फिक्सिंग मे श्रीशंत आ हुनकर संगी क्रिकेटर सभ केलन्हि कमाल आ एक्के मिनट मे भ च्वाहाण सेहो धरेलाह। सी.सी.टी.वी फुटेज मे सब किछु पब्लिक के सामने अछि। आब त कि कहू क्रिकेटर भाई लोकनि खूम धन बटोरू आ चोरा नुका के स्पॉट फिक्सिंक के खेल खेलाइत रहू, क्रिकेट खेला के की करब?

मिथिलांचल टुडे हिनका लोकनि लग उपलब्ध अछि

दिल्ली

विश्वंभर ठाकुर (संगम विहार)– 9999613419
नीतीश चौधरी (जैतपुर)– 8285207880
शैलेन्द्र कुमार (नागलोइ)– 8930329783
ललीत नारायण झा (पालम)– 9560295811
सुनिल झा पवन (मयुर विहार)– 9899837020
जगदानन्द झा (बिनोद नगर)– 9212461006

नोएडा

मदन कुमार ठाकुर (नोएडा)– 9312460150
संतोष मोहन ठाकुर (नोएडा)– 9818308993

बिहार

झा जी बुक सेंटर (पटना)–
भरती पुष्तक भंडार (झंझारपुर)– 9939966061
श्रीराम पुष्तक भंडार (झंझारपुर)– 9576252708
उमेश झा (बीरपुर)– 9470050971
सतेन्द्र झा (दरभंगा)– 8409217859
रौशन कुमार झा (दरभंगा)– 9279516409
आदित्य कुमार झा (दरभंगा)– 8298689981
आजाद पुष्तक भंडार (समस्तीपुर)–
रमण पासवान (मधुबनी)– 8051449271
बोध नारायण मिश्र (मधुबनी)– 9431643634
प्रदीप बिहारी (बेगुसराय)– 9431211543
सदरे आलम (जयनगर)– 9006326629
अमिताभ आनन्द (सहरसा)– 7870169687

नेपाल

करुणा झा (राजबिराज)–
प्रवीन चौधरी (विराट न.)– 00977–9852022981
धीरेन्द्र प्रेमर्षी (काठमांडु)– 00977–9721550722
विनीत ठाकुर (धनुषा)– 00977–9841563408

बोकारो

राजीव कुमार ठाकुर – 7856033533
विजय कुमार मिश्रा – 9031438242

मुम्बई

पंकज झा – 9320405164
जीत मोहन झा – 766817725

कोलकता

रुपेश कुमार झा – 9239495129
भास्कर झा – 9432386278

पुणे

डॉ शशीधर कुमर – 9762126759

छतिसगढ़

चंदन झा – 9301546200

वाराणसी

अन्नपुर्णा बुक स्टॉल– 7275824883

गोहाटी

गनेश कुमार झा– 9864406875

बेंगलोर

मुकेश कुमार मिश्र– 9738873301

जम्मू

महेश झा – 9419117294

देवघर

ओम प्रकाश झा – 8986911370

मिथिलांचल टुडे प्राप्ति लेल अपन सदस्यता फार्म अवस्य पठाबी

INDIAN NATIONAL CONGRESS
The Largest Democratic Party in the World
श्रीमती प्रियंका गाँधी (राष्ट्रीय नेता)
मो. सलमान खुर्शीद (विदेश मंत्री)
श्री कपिल सिब्बल (सांसद एवं कानून मंत्री)
श्रीमती शीला दीक्षित (मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार)
डा. शकील अहमद (राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी दिल्ली)
श्री जयप्रकाश अग्रवाल (सांसद एवं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष)
श्री अजय माकन (राष्ट्रीय महासचिव)
मो. सुलतान बत्ती आजाद (केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री)
श्रीमती कृष्णा तीरथ (समाज कल्याण राज्य मंत्री)
श्री बूटा सिंह (पूर्व गृहमंत्री)
श्री संदीप दीक्षित सांसद (पूर्वी दिल्ली)
श्री रमेश कुमार सांसद (दक्षिणी दिल्ली)
श्री महावल मिश्रा सांसद (पश्चिमी दिल्ली)
मो. हारून यूसुफ (विधायक एवं मंत्री)
मो. परवेज हाशमी सांसद (राज्यसभा)
श्री जसविन्दर सिंह (लवली) (विधायक देवली विधानसभा)
मो. सलाम खाँ
सचिव दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी
देश का विकास
कांग्रेस के साथ
कांग्रेस का हाथ
आम आदमी के साथ
बुन्दू सौफी
(सचिव दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी)
9718266262
9810178644
9350568835
9350242704

RNI No.- DELMAI/2012/45339